डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-
aadhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

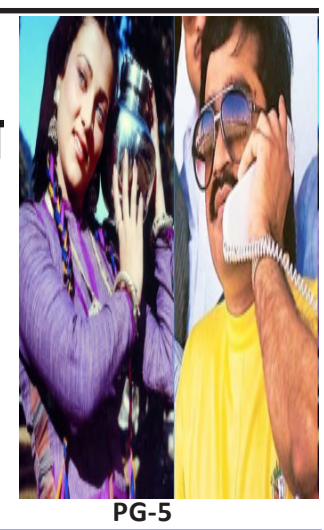

PG-5

सिनेमा:सफेद साड़ी में झरने के नीचे दिया था बोल्ड सीन

वर्ष -08 अंक -131 | प्रयागराज, शनिवार, 30, जुलाई 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

समझौते से अपराधों की प्राथमिकी रद्द नही हो सकती

नई दिल्ली। पैसे ऐंठने वालों पर भी होगी सख्ता जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस वी रामासुब्रमण्यन की पीठ ने कहा, यही नहीं, ऐसे तो दुष्कर्म, हत्या, दहेज उत्पीड़न जैसे गुनाह करने के बाद आर्थिक रूप से मजबूत आरोपी पैसे देकर समझौता कर लेंगे और कानून से बच जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, समाज पर गंभीर प्रभाव डालने वाले जघन्य अपराध में पीडि?त, अपराधी या शिकायतकर्ता के बीच समझौते के आधार पर एफआईआर को रद्द नहीं किया जा सकता। अगर ऐसा किया गया तो एक खतरनाक मिसाल कायम होगी और लोग सिर्फ आरोपी से पैसे ऐंठने के लिए शिकायतें दर्ज कराएंगे। जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस वी रामासुब्रमण्यन की पीठ ने कहा, यही नहीं, ऐसे तो दुष्कर्म, हत्या, दहेज उत्पीड़न जैसे गुनाह करने के बाद आर्थिक रूप से मजबूत आरोपी पैसे देकर समझौता कर लेंगे और कानून से बच जाएंगे। पीठ ने गुजरात हाईकोर्ट के आदेशों को खारिज कर दिया। इनमें एक आदेश वह भी शामिल है, जिसमें आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मार्च, 2020 में दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने बेटे को पिता के पास अमेरिका भेजने का आदेश दिया सुप्रीम कोर्ट ने बंगलूरू की एक महिला को अपने 11 साल के बेटे को अलग हो चुके पति के पास अमेरिका भेजने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा, बच्चे के सवीच्च हित और कल्याण के लिए जरूरी है कि वह अपने पिता के पास अपने पैतृक घर में रहे। जस्टिस एएम खानविलकर और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ ने कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें बच्चे की कस्टडी अमेरिका में रहने वाले पिता को सौंपने से इन्कार कर दिया गया था। पीठ ने कहा, इस मामले में 11 साल का लड़का सामान्य अमेरिकी नागरिक है और उसके पास अमेरिकी पासपोर्ट भी है। उसके अभिभावकों के पास अमेरिका का स्थायी निवास कार्ड भी है। जस्टिस रविकुमार ने कहा, हाईकोर्ट ने अपने आदेश में इन पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया। आयुष डॉक्टर एलोपैथी दवा लिखे तो आपराधिक कार्यवाही नहीं मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है ।

अगर गुजरातियों को महाराष्ट्र से हटा दिया गया' राज्यपाल के भाषण पर बवाल

नई दिल्ली। शिवसेना हुई आगबबूलामहाराष्ट्र के राज्यपाल बीएस कोश्यारी के भाषण के बाद से शिवसेना और कांग्रेस हमलावर हो गई है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने राज्यपाल पर मराठी गौरव को आहत करने का आरोप लगाया के दौरान कहा था कि अगर महाराष्ट्र से गुजरातियों और राजस्थानियों को हटा दिया जाता है, तो महाराष्ट्र के पास कोई पैसा नहीं बचेगा और मुंबई को अब भारत की आर्थिक राजधानी नहीं कहा जाएगा। जानें क्या है पूरा मामला

है महाराष्ट्र के राज्यपाल बीएस कोश्यारी के भाषण के बाद से राज्य की सियासत एक बार फिर से गरमा गई है। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भाषण की निंदा करते हुए कहा कि राज्यपाल ने मराठी गौरव को 'आहत' किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से कम से कम राज्यपाल द्वारा दिए गए बयानों की निंदा करने का आग्रह किया। दरअसल, राज्यपाल ने अपने भाषण दरअसल, राज्यपाल ने शुक्रवार को मुंबई के अंधेरी में एक कार्यक्रम में बोलते हुए मारवाड़ी गुजराती समुदाय की प्रशंसा की और कहा कि वे जहां भी जाते हैं, अस्पताल, स्कूल आदि बनाकर जगह के विकास में योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर महाराष्ट्र से गुजरातियों और राजस्थानियों को हटा दिया जाता है, तो महाराष्ट्र के पास कोई पैसा नहीं बचेगा और मुंबई को भारत की आर्थिक राजधानी नहीं कहा जाएगा। संजय राउत ने मांगा राज्यपाल से इस्तीफा वहीं राज्यपाल कोश्यारी के भाषण को ट्विटर पर शेयर करते हुए संजय राउत ने कहा कि "राज्यपाल का मतलब है कि महाराष्ट्र और मराठी लोग भिखारी हैं। मुख्यमंत्री शिंदे, क्या आप सुन रहे हैं? । अगर आपका स्वाभिमान है, तो राज्यपाल का इस्तीफा मांगें।ठवहीं शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यह महाराष्ट्र और मराठी मानुष के लोगों की कड़ी मेहनत का अपमान है, जिन्होंने राज्य को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए दिन-रात मेहनत की है। राज्यपाल को तुरंत माफी मांगनी चाहिए, ऐसा नहीं करने पर हम उन्हें बदलने की मांग करेंगे। वहीं कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने भी वीडियो साझा किया और कहा कि महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा मराठी लोगों का अपमान भयानक है। उन्हें तुरंत माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी साधा निशाना कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी महाराष्ट्र के राज्यपाल पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि इनका नाम 'कोश्यारी' है। लेकिन एक गवर्नर के तौर पर जो बोलते हैं और करते हैं उसमें थोड़ी भी 'होशियारी' नहीं होती। ये कुर्सी पर सिर्फ इसलिए बैठे हैं क्योंकि 'हम दो' के आदेश का निष्ठा पूर्वक पालन करते हैं।

44 और लोगों ने तोड़ा कोरोना से दम, 20 हजार से ज्यादा नए संक्रमित मिले

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह 8 बजे अपडेट आंकड़ों के अनुसार देश में फिलहाल सक्रिय केस 1,43,384 है। इस दौरान 20,958 कोरोना महामारी से उबर गए। देश में कोरोना के नए मरीजों की संख्या में रोजाना उतार-चढ़ाव हो रहा है। शनिवार को 20,408 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। 44 और लोगों ने महामारी के शिकार होकर दम तोड़ दिया। दैनिक संक्रमण दर आज 5.05 फीसदी रही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह 8 बजे अपडेट आंकड़ों के अनुसार देश में फिलहाल सक्रिय केस 1,43,384 है। बीते 24 घंटे में सक्रिय केस में 604 की कमी आई। इस दौरान 20,958 लोग कोरोना महामारी से उबर गए। शनिवार को मिले संक्रमित 20,408 कुल संक्रमित बढ़कर हुए 4,40,00,138 वर्तमान में सक्रिय केस 1,43,384 बीते 24 घंटे में मौतें 44, कुल मौतें 5,26,312 कोरोना रिकवरी रेट 98.48 फीसदी सक्रिय केस की संख्या 0.33 फीसदा दैनिक संक्रमण दर 5.05 फीसदी साप्ताहिक संक्रमण दर 4.92 फीसदी अब तक स्वस्थ हुए 4,33,30,442 कोरोना मृत्यु दर 1.20 फीसदी अब तक कोरोना टीकाकरण 203.94 करोड़।

सीएम के मंत्री बेटे की बर्थडे पार्टी में न जाने पर नोटिस, होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

तेलंगाना। भाजपा के आईटी प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट कर कहा कि तेलंगाना में लोगों की सेवा करने के लिए चुनी हुई सरकार नहीं, बल्कि असल में राजतंत्र है और तेलंगाना केसीआर परिवार की जागीर है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बेटे नगर निकाय मंत्री केटी रामराव (केटीआर) की 24 जुलाई को हुई बर्थडे पार्टी में शामिल नहीं होने वाले नगर निगम के तीन कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की तलवार लटक रही है। बेल्लाम्पल्ली के सरकारी अस्पताल की इस पार्टी में निगम के सभी कर्मचारियों के जरूर शामिल होने का आदेश था। अब निगमायुक्त ने कर्मचारियों को नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण नहीं देने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है। भाजपा के आईटी प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट कर कहा कि तेलंगाना में लोगों की सेवा करने के लिए चुनी हुई सरकार नहीं, बल्कि असल में राजतंत्र है और तेलंगाना केसीआर परिवार की जागीर है।

अपने 'पार्थ' की काली करतूत से अनजान थीं ममता

बंगाल। पश्चिम बंगाल के पूर्व उद्योग मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के पूर्व महासचिव पार्थ चटर्जी प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) की हिरासत में हैं। पार्थ चटर्जी को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाद तृणमूल का दूसरे नंबर का कद्दावर चेहरा माना जाता था। ममता बनर्जी पार्थ चटर्जी को बड़े भाई का दर्जा देती थीं। शिक्षक भर्ती घोटाले में बर्खास्त मंत्री पार्थ चटर्जी का नाम सामने आने के बाद से बंगाल की सियासत गरमा गई है। मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से जवाब की मांग कर रही है। वहीं इस भारी विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर टीएमसी के सांसद की प्रतिक्रिया सामने आई है। टीएमसी के वरिष्ठ नेता सौगत रॉय का दावा है कि इस तरह की गतिविधियों की जानकारी ममता बनर्जी समेत पार्टी में किसी को नहीं थी। जैसे ही हमें इस बारे में पता चला, हमने ऐक्शन लिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें मंत्रीपद से हटा दिया। तृणमूल नेता ने कहा कि अगर सुवेंदु अधिकारी के पास कोई सबूत है, तो उसे ईडी को बताना चाहिए, मीडिया को नहीं। जब तक दीदी के

कालीघाट आवास की झलक नहीं देख लेते सांस रोककर रखें: सुवेंदु अधिकारी वहीं भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने अर्पिता मुखर्जी के फ्लैटों से बरामद काले धन को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया कि "टॉलीगंज फ्लैट से 21 करोड़ रुपये और बेलघरिया से 29 करोड़ रुपये - केवल छोटी तलहटी है। जब तक आप माउंट बीरभूम और कालीघाट(ममता का आवास) की एक झलक नहीं देख लेते, तब तक अपनी सांस रोककर रखें। सीएम ममता को सबकुछ पता था: अधिकारी सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक प्रवर्तन निदेशालय एक सक्षम एजेंसी है। उन्हें जांच करने दीजिए। सभी को मालूम है कि पार्थ चटर्जी की काली करतूत की जानकारी ममता बनर्जी को थी। ममता दीदी के निर्देशन में ही सारा खेल खेला गया है। टीएमसी का मुख्य एजेंडा भ्रष्टाचार है। केवल जनता की धारणा के चलते टीएमसी ने पार्थ को उनके पदों से हटाया है। अगले हफ्ते पीएम मोदी और ममता के बीच बैठक की संभावना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच बैठक अगले हफ्ते हो सकती है। ये बैठक पांच या छह अगस्त को हो सकती है।

'स्मृति ईरानी ने भद्दे ढंग से लिया राष्ट्रपति का नाम', अधीर रंजन का स्पीकर को पत्र

नई दिल्ली। चौधरी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सदन में अपने संबोधन के दौरान चिल्लाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का नाम लिया था। उन्होंने 'मैडम' या 'श्रीमती' शब्दों को राष्ट्रपति के नाम के साथ इस्तेमाल नहीं किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान को लेकर अब कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता स्मृति ईरानी पर पलटवार किया है। चौधरी ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर शिकायत की कि ईरानी ने लोकसभा में भद्दे ढंग से राष्ट्रपति का नाम लिया था। कांग्रेस नेता ने स्पीकर से मांग की कि ईरानी पर कार्रवाई की जाए। चौधरी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री ईरानी ने सदन में अपने संबोधन के दौरान चिल्लाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का नाम लिया था। उन्होंने 'मैडम' या 'श्रीमती' शब्दों को राष्ट्रपति के नाम के साथ इस्तेमाल नहीं किया। यह देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान

मुर्मू को नीचा दिखाने जैसा है। सदन की कार्रवाई से निकालें शब्द स्पीकर को लिखे पत्र में चौधरी ने कहा, 'मैं यह भी बताना चाहूंगा कि जिस तरह से श्रीमती स्मृति ईरानी सदन में माननीय राष्ट्रपति महोदया का नाम ले रही थीं, वह उचित नहीं था। वह माननीय राष्ट्रपति या मैडम या श्रीमती जैसे आदरसूचक शब्दों का इस्तेमाल किए बगैर बार-बार 'द्रौपदी मुर्मू' चिल्ला रही थीं। यह माननीय राष्ट्रपति के पद के स्तर को कम करने जैसा है। इसलिए, मैं मांग करता हूं कि श्रीमती स्मृति ईरानी के उन शब्दों को सदन की कार्यवाही के रिकॉर्ड से निकाल दिया जाए।' भाजपा पर लगाया राजनीति का आरोप चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अनावश्यक रूप से खुद को ऊपर दिखाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम को लेकर राजनीति करनी चाही। ईरानी ने मामले में बेहद अनुचित व्यवहार किया है। सोनिया गांधी को मौखिक और शारीरिक रूप से निशाना बनाने के साथ इस मामले में सदन में जैसा माहौल बनाया गया वैसा संसदीय इतिहास में कभी नहीं हुआ। चौधरी ने लिखा, 'महामहिम राष्ट्रपति के बारे में गैरजरूरी और अनावश्यक संसदीय गतिरोध के कारण मैं आपको यह पत्र लिख रहा हूं। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रति मेरे मन में बेहद सम्मान है। मुझे खेद है कि यह सारा विवाद सिर्फ मेरे जुबान फिसलने के कारण आरंभ हुआ। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मेरी मातृभाषा बांग्ला है और मैं हिंदी के प्रति बहुत सहज नहीं हूं। यह दुखद है कि महामहिम राष्ट्रपति का नाम सत्तारूढ़ दल ने सस्ती लोकप्रियता और राजनीतिक रूप से दूसरों पर हावी होने के लिए घसीटा। सोनिया गांधी से दुर्व्यवहार का भी जिक्र अधीर रंजन ने पत्र में सोनिया गांधी के साथ किए गए बर्ताव का भी हवाला दिया।

यूपी, बिहार, बंगाल में यहां हुई बारिश, अब इनकी बारी

बिहार। पटना, पश्चिमी और पूर्वी चंपारण, सीवान,गोपालगंज, सीमामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, शिवहर, समस्तीपुर, सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा और सहरसा में अच्छी बारिश के आसार हैं। देश के विभिनन इलाकों में बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल, हिमाचल प्रदेश समेत देश के विभिनन इलाकों में बारिश हुई। दिल्ली एनसीआर के भी कुछ हिस्सों में बारिश हुई। मौसम एजेंसियों के अनुसार आज भी देश के विभिनन हिस्सों में कहीं तेज तो कहीं हल्की वर्षा का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक बिहार में तीन अगस्त तक लगातार बारिश की उम्मीद है। आज पटना, पश्चिमी और पूर्वी चंपारण, सीवान,गोपालगंज, सीमामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, शिवहर, समस्तीपुर, सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा और सहरसा में अच्छी बारिश के आसार है। राज्य के बाकी हिस्सों में भी हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान है। इसी तरह झारखंड के भी विभिनन हिस्सों में बारिश की संभावना है। राजस्थान में बारिश का दौर जारी है। बीते 24 घंटे में राज्य में कई जगह भारी वर्षा हुई। जयपुर, जोधपुर, हनुमानगढ़ इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज हुई। शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तर पश्चिमी राजस्थान,

हरियाणा के कुछ हिस्से, पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता समेत कुछ इलाके, मराठवाड़ा और गुजरात के एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। इसके अलावा हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तर प्रदेश, ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश हुई। आज यहां बारिश के आसार निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट के अनुसार शनिवार को जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र व कर्नाटक के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

बड़ों की तुलना में बच्चों को गंभीर बीमारी होने का जोखिम कम

नई दिल्ली। राज्यमंत्री पवार ने लोकसभा में बताया स्वास्थ्य राज्यमंत्री भारती प्रवीण पवार ने सदन को बताया कि देश में मंकीपॉक्स से मौत का एक भी मामला सामने नहीं आया है, जबकि कुल चार मामलों की पुष्टि हुई है। कुछ राज्यों में मई से कोविड-19 के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। कोविड संक्रमण वयस्कों की तुलना में बच्चों को कम नुकसान पहुंचाता है। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री भारती प्रवीण पवार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के हवाले से शुक्रवार को लोकसभा में बताया, संक्रमण वयस्कों के मुकाबले बच्चों और किशोरों में कम गंभीर बीमारी का कारण बनता है। बच्चों में संक्रमण और टीकाकरण पर पूछे गए सवाल के जवाब में पवार ने कहा, एक जनवरी, 2022 से 25 जुलाई, 2022 तक 18 वर्ष तक के बच्चों के 7,362 नमूनों में ओमिक्रॉन और 118 नमूनों में इसके सब-वैरिएंट का पता चला है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि 12 से 18 वर्ष के बच्चों

को 26 जुलाई तक देश में 9.96 करोड़ पहली खुराक (82.2 फीसदी कवरेज) और 7.79 करोड़ दूसरी खुराक (64.3 फीसदी कवरेज) दी जा चुकी है। साथ ही उन्होंने जानकारी दी, अभी 12 साल से कम के बच्चों का टीकाकरण शुरू नहीं किया गया है। देश में नहीं मिला कोई नया वैरिएंट देश में कोरोना वायरस का कोई नया वैरिएंट नहीं मिला है। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री भारती प्रवीण पवार ने लोकसभा में बताया कि इस वक्त अधिकांश राज्यों में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट का असर ही सबसे अधिक देखा जा रहा है।

करछना में बनेगा पक्षी विहार प्रशासन ने गंगा के कछार में जमीन की है तलाश की शुरू

प्रयागराज ।करछना में बनाने का निर्णय लिया गया है। डीएम संजय कुमार खत्री का कहना है कि पक्षी विहार के लिए गंगा के कछार में जमीन की तलाश की जा रही है। इसके लिए वन तथा अन्य संबंधित विभागों से कहा गया है। जमीन चिह्नित करने के साथ जल्द इसका प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। जिले के लोगों को जल्द ही एक और दर्शनीय स्थल मिलने जा रहा है। करछना के कछारी इलाके में पक्षी विहार बनाए जाने का निणय्र लिया गया है। जल्द ही इसका प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। कर्जन पुल को संग्रहालय में तब्दील करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है तो अरैल में कुंभ संग्रहालय के निर्माण का भी निणय्र लिया गया है। इसके अलावा झूंसी के कनिहार झील को चंद्रखेखर आजाद की तरह विकसित किए जाने का भी प्रस्ताव भेजा गया है। इसी क्रम में अब करछना में पक्षी विहार बनाने का निणय्र लिया गया है। डीएम संजय कुमार खत्री का कहना है कि पक्षी विहार के लिए गंगा के कछार में जमीन की तलाश की जा रही है। इसके लिए वन तथा अन्य संबंधित विभागों से कहा गया है। जमीन चिह्नित करने के साथ जल्द इसका प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। सदर तहसील में जमीन या मकान की रजिस्ट्री के लिए शहरियों को अब बहुत इंतजार नहीं करना होगा। दोनों उप निबंधक कार्यालय में से कहीं भी रजिस्ट्री कराई जा सकेगी। शुक्रवार को इस बाबत नोटिफिकेशन कर दिया गया। शहरी तथा विस्तार वाले क्षेत्रों से संबंधित तहसीलों में रजिस्ट्री के लिए लंबी कतार लगती है। इसके विपरीत दूसरी तहसीलों में रोजाना एक-दो लोग ही रजिस्ट्री के लिए पहुंचते हैं। इसे देखते हुए निबंधन कार्यालय जिले के भीतर किसी भी तहसील में रजिस्ट्री की सुविधा देने की कवायद में जुटा है फिलहाल इसकी शुरुआत शनिवार से एक से अधिक उप निबंधक कार्यालय वाले सदर तहसील से होने जा रही है। इसके तहत जिले में सदर तहसील प्रथम और द्वितीय कहीं भी रजिस्ट्री कराई जा सकेगी। एआईजी स्टांप पीएन सिंह ने बताया कि रजिस्ट्री के लिए आवेदन करते समय उप निबंधक कार्यालय का एलाटमेंट हो जाएगा। निर्धारित समय पर संबंधित उप निबंधक कार्यालय में रजिस्ट्री कराई जा सकेगी।

गंगा में बह गए लाखों रुपये के पीपे, नहीं उठ सकी सैकड़ों चकर्ड प्लेट

प्रयागराज । चंद्रशेखर आजाद सेतु की मरम्मत के दौरान लखनऊ-रायबरेली की ओर से शहर में आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग के तौर पर बनाए गए पांटून पुलों को लेकर हद दर्जे की लापरवाही सामने आई है उपयोगिता खत्म होने के तीन महीने बाद भी फाफामऊ में बने पांटून पुलों को न खोले जाने की वजह से कई पीपे गंगा में बह गए हैं। शुक्रवार को सात पीपे बहकर दारागंज से आगे पहुंच गए। तीन सौ से अधिक चकर्ड प्लेटें भी नहीं उठ सकी हैं। वह भी गंगा की बाढ़ में किसी भी वक्त डूब सकती है चंद्रशेखर आजाद सेतु की मरम्मत के दौरान लखनऊ-रायबरेली की ओर से शहर में आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग के तौर पर बनाए गए पांटून पुलों को लेकर हद दर्जे की लापरवाही सामने आई है। फाफामऊ सेतु की मरम्मत का काम पूरा होने के बाद बीती मई में ही पांटून पुलों की उपयोगिता खत्म हो गई थी। इसके बाद बी जब पांटून पुलों को नहीं खोला गया तब इसकी शिकायत एक्सईएन और अधीक्षण अभियंता से की गई। एक जून को तत्कालीन अधीक्षण अभियंता एके द्विवेदी ने कुंभ मेला डिवीजन के एक्सईएन को पत्र लिखकर चेताया था कि तत्काल पांटून पुलों को खुलवा दिया जाए। ऐसा न हुआ तो इसके लिए आप खुद उत्तरदायी होंगे। इसके बाद भी पांटून पुलों को नहीं खोला जा सका। अंततः इसमें से 12 पीपे बह गए हैं। बेली कछार में विस चुनाव के दौरान जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा हुई थी, वहां से करीब तीन सौ से अधिक चकर्ड प्लेट भी नहीं उठाई जा सकी है। जबकि, गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से ये चकर्ड प्लेटें किसी भी समय गंगा में डूब सकती है। उल्लेखनीय है कि फाफामऊ में अप और डाउन दो पांटून पुल बनाए गए थे। अप पांटून पुल के कुंभ मेला स्टोर से 51 और डाउन पांटून पुल के लिए 89 पीपे की निकासी हुई थी। इसमें से 13 पीपे अभी तक स्टोर में जमा नहीं कराए जा सके हैं। शुक्रवार को सात पीपे बहकर दारागंज से आगे पहुंच गए । चार पीपे अभी पुल के पास ही पड़े हैं। जबकि दो पीपे इस पुल निर्माण के दौरान बनाई गई अस्थाई पुलिया में लगे हुए हैं। इस पुल के सहायक अभियंता धनीराम ने स्वीकार किया कि कुछ चकर्ड प्लेटें अभी उठाई नहीं जा सकी हैं। जो पीपे अभी स्टोर में नहीं पहुंचे हैं, उन्हें शीघ्र जमा करा दिया जाएगा फाफमऊ पांटून पुल में लगे पीपों के बहने के मामले की जांच कराई जाएगी। इसके लिए जिम्मेदार जेई और एई से जबाव तलब किया जाएगा।

कालिका प्रसाद अध्यक्ष व सूर्यनारायण सिंह बने मंत्री

अयोध्या। बार एसोसिएशन चुनाव में शुक्रवार को देर शाम तक मतगणना हुई। इसमें अध्यक्ष पद पर कालिका प्रसाद मिश्रा व मंत्री पद पर सूर्यनारायण सिंह निर्वाचित हुए। कोषाध्यक्ष के पद पर विकास श्रीवास्तव ने अपना कब्जा जमाया। मतगणना सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में हुई। सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे। रिटर्निंग अफसर सुशील कुमार चौबे और एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन श्रवण कुमार मिश्र ने बताया कि सुबह से शाम तक चली मतगणना के बाद अध्यक्ष पद पर कालिका प्रसाद मिश्र 949 वोट पाकर विजयी हुए। उनके अलावा इस पद पर अशोक कुमार पांडेय 25, इंद्र प्रताप सिंह 96 अवधेश कुमार त्रिपाठी 19, राघवेंद्र प्रताप सिंह 106, राकेश त्रिवेदी 37, राम शुभावन 229, राजेंद्र प्रताप सिंह 177, पारसनाथ पांडेय 282 व प्रभाकर पांडेय को 10 मतों से संतोष करना पड़ा उपाध्यक्ष पद पर महेंद्र कुमार दुबे 537 मत पाकर विजयी घोषित हुए। रनर रहे चंद्रभान सिंह को 439, सुरेंद्र कुमार सिंह 213 ,रामकुमार यादव 339, देवकीनंदन त्रिपाठी को 196 व अंजनी कुमार त्रिपाठी उर्फ प्रभुजी को 220 मतों से संतोष करना पड़ा। तीन मत अवैध पाए गए। सबसे महत्वपूर्ण मंत्री पद पर सूर्य नारायण सिंह ने 813 मत पाकर विजयश्री हासिल की। रनर रहे विपिन कुमार मिश्रा को 765, शैलेंद्र जायसवाल को 278 व भागवत प्रसाद पांडेय को 79 मतों से संतोष करना पड़ा। अवैध मतों की संख्या नौ रही। संयुक्त मंत्री प्रथम पर प्रमोद शंकर पांडेय 682 मत पाकर विजयी हुए। रनर रहे संतोष कुमार को 662 व राजेंद्र कुमार त्रिपाठी को 529 मत मिले। संयुक्त मंत्री द्वितीय पद पर विवेक कुमार श्रीवास्तव 669 मत पाकर विजयी हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी रविंद्र पांडेय को 663 व जय प्रकाश पाल को 538 मतों से संतोष करना पड़ा। इस पद पर 64 अवैध मत पड़े। कोषाध्यक्ष पद पर विकास श्रीवास्तव 799 मत पाकर जीते। रनर रहे वीरेंद्र कुमार मिश्र को 660, सुशील कुमार मिश्र को 337 मतों से संतोष करना पड़ा व अवैध मतों की संख्या 135 रही। कार्यकारिणी सी के लिए उपेंद्र कुमार मिश्रा 756 व नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव 787 मत पाकर विजयी हुए। जबकि इनके अलावा बद्री प्रसाद यादव को 655, योगेश पांडेय को 617 मतों से संतोष करना पड़ा। कार्यकारिणी ए पर रामनाथ शर्मा का पर्चा खारिज होने के कारण हरिनाथ सिंह और सलाउद्दीन पहले ही निर्विरोध हो गए थे। संयुक्त मंत्री द्वितीय पद पर हुई दोबारा मतगणना में विवेक श्रीवास्तव विजयी घोषित किए गए।

अविवि के 423 केंद्रों पर देंगे 1.73 लाख परीक्षार्थी परीक्षा

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय की बीए, बीएससी एवं बीकॉम भाग एक द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा 30 जुलाई से प्रारंभ होगी। 26 अगस्त तक होने वाली इस परीक्षा को सकुशल संपनन कराने के लिए सात जनपदों के कुल 423 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।जिसमें दोनों पालियों में एक लाख 73 हजार 25 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसमें 83,426 छात्र व 89,599 छात्राएं शामिल हैं। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 8 बजे 11 बजे तक व द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर दो बजे से सायं पांच बजे तक चलेगी। परीक्षा को लेकर शुक्रवार को अपराह्न तीन बजे केंद्र अध्यक्षों के साथ ऑनलाइन बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि शासन की मंशानुरूप नकलविहीन एवं शुचिता के साथ परीक्षा संपन्न करानी है। इसके लिए केंद्र के परीक्षा कक्ष में लगे कैमरे चालू हालत में होने चाहिए। परीक्षा के दौरान कैमरे बंद नहीं होने चाहिए। सभी केंद्र कैमरे का बैकअप रखना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त सभी केंद्र के सीसीटीवी कैमरे विश्वविद्यालय के कंट्रोल रूम से जुड़ा होना चाहिए। कुलपति ने कहा कि परीक्षा के दौरान केंद्र पर प्रबंधक एवं इससे जुड़ा कोई भी व्यक्ति नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त परीक्षा केंद्र के गेट पर सुरक्षाकर्मी तैनात रहेगा। विश्वविद्यालय के सचल दल एवं परीक्षा संचालन समिति के सदस्य के जाने पर गेट तुरंत खुलना चाहिए। सात जनपदों में नोडल केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि प्रश्नपत्रों की गोपनीयता एवं उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन पूरी तन्मयता के साथ करें। कहा कि परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए अपने नजदीक के पुलिस स्टेशन को भी अवगत कराए विवि के परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि परीक्षा को सकुशल संपनन कराने के लिए केंद्रों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। बैठक में प्रो. आरके तिवारी, प्रो. राजीव गौड़, डॉ. सुनीता अवस्थी, डॉ. संजय चौधरी, डॉ. रंजन सहित विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों, प्राचार्य एवं केंद्र अध्यक्ष उपस्थित रहे।

जिले के थानों की अब लाइव निगरानी, लगाए जाएंगे आईटीएमएस के एचडी कैमरे

प्रयागराज । थानों में सीसीटीवी कैमरे पहले से ही लगे हैं। लेकिन अभी इनकी लाइव निगरानी की व्यवस्था नहीं है। ज्यादातर थानों में जो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, उनका डीवीआर व मॉनिटर प्रभारी कक्ष में ही रहता है। हालांकि इनकी रिकॉर्डिंग जरूरत पड़ने पर ही देखी जा सकती है। थानों में होने वाली मनमानी पर अब जल्द ही ब्रेक लगेगा। यहां आने व जाने वालों से लेकर थानों की एक-एक गतिविधियों की 24 घंटे निगरानी होगी। यह संभव हो सकेगा इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के उन हाई डेफिनिशन कैमरों से, जिन्हें जल्द ही जनपद के प्रत्येक थाने के बाहर इंस्टाल किया जाएगा। इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और कुंभ से पहले थानों की लाइव निगरानी शुरू कर दी जाएगी। थानों में सीसीटीवी कैमरे पहले से ही लगे हैं। लेकिन अभी इनकी लाइव निगरानी की व्यवस्था नहीं है। ज्यादातर थानों में जो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, उनका डीवीआर व मॉनिटर प्रभारी कक्ष में ही रहता है। हालांकि इनकी रिकॉर्डिंग जरूरत पड़ने पर ही देखी जा सकती है। नियंत्रण संबंधित थाने के पुलिसकर्मियों के पास ही होने की वजह से कई बार सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ के भी आरोप लगते हैं। इसी को देखते हुए अब थानों की गतिविधियों की लाइव निगरानी की योजना बनाई गई है। इसके लिए थानों के बाहर आईटीएमएस के एचडी कैमरे लगाए जाएंगे। यह कैमरे सीधे आईट्रिपलसी से कनेक्ट होंगे, जिससे इनसे मिलने वाली लाइव फीड पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। इससे थानों में आने-जाने वालों की भी जानकारी मिल सकेगी। कई बार थानों के घेराव या हंगामे जैसी स्थिति भी बनती है, उस दशा में भी लाइव हाल जानकार फोर्स की व्यवस्था की जा सकेगी।आला पुलिस अफसरों का कहना है कि कुंभ के मद्देनजर जिले में 600 और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की योजना बनाई गई है। इस संबंध में प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। वर्तमान में पूरे जिले में सिटी सर्विलांस सिस्टम के तहत 1200 कैमरे अलग-अलग स्थानों पर लगाए गए हैं। यह सभी कैमरे आईट्रिपलसी से कनेक्ट हैं। इनका इस्तेमाल ट्रैफिक मैनेजमेंट के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के लिए किया जाता है। सर्विलांस सिस्टम को और पुख्ता करने के लिए ही जिले में 600 और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की योजना बनाई गई है। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस बार कैमरे थानों के बाहर या आसपास भी लगवाए जाएंगे।

पूर्व गृह राज्यमंत्री चिन्मयानंद के खिलाफ दुष्कर्म केस वापसी पर फैसला सुरक्षित

प्रयागराज ।यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने याची स्वामी चिन्मयानंद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप कुमार, सरकारी वकील को सुनने के बाद शुक्रवार को दिया। राज्य सरकार ने अभियोजन वापसी की अर्जी दी थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री चिन्मयानंद स्वामी के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा वापस लेने के मामले में फैसला इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सुरक्षित कर लिया। युवती ने स्वामी चिन्मयानंद के खिलाफ शाहजहांपुर में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने स्वामी चिन्मयानंद के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने याची स्वामी चिन्मयानंद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप कुमार, सरकारी वकील को सुनने के बाद शुक्रवार को दिया। राज्य सरकार ने अभियोजन वापसी की अर्जी दी थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। मामले के अनुसार राज्य सरकार ने अभियोजन वापसी की दरख्वास्त दी थी, जिसे निचली अदालत शाहजहांपुर ने खारिज कर दिया था। पीड़ित युवती ने स्वामी चिन्मयानंद के खिलाफ शाहजहांपुर में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने विवेचना के बाद स्वामी चिन्मयानंद के विरुद्ध इसी अपराध में आरोप पत्र दाखिल किया। हाईकोर्ट से स्वामी चिन्मयानंद को गिरफ्तारी पर स्थगनादेश मिल गया। बाद में सरकार ने स्वामी चिन्मयानंद के विरुद्ध इस आपराधिक मामले में अभियोजन वापसी की दरख्वास्त दी, जो खारिज हो गई।पीड़िता के पति के अधिवक्ता संदीप शुक्ल ने कहा कि पीड़िता ने मुकदमे में बाद में स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के पक्ष में जवाबी हलफनामा दाखिल किया। पीड़िता ने मुकदमे में अपने पति के खिलाफ भी कई आरोप लगाए थे। एडवोकेट शुक्ल ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका जिसमें सांसदों व विधायकों के खिलाफ लंबित मुकदमों के त्वरित निस्तारण की मांग की गई है। उसमें बिंदु उठाया गया कि विभिनन सरकारें राजनीतिक फायदे के लिए तमाम विधायकों एवं सांसदों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामलों को सीआरपीसी की धारा 321 की शक्तियों का उपयोग करते हुए वापस ले रही है।

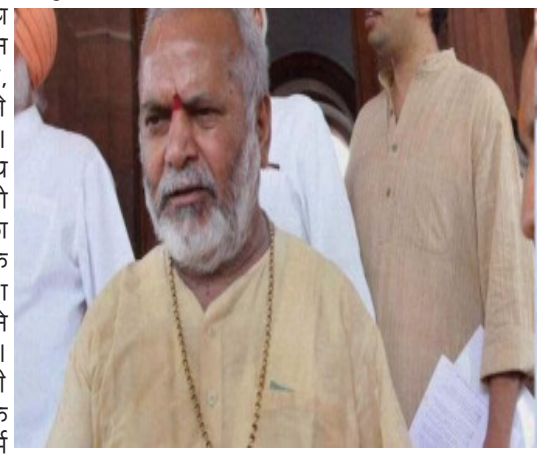

ब्रह्मपुत्र मेल से टकराया मवेशी, ओएचई टूटने से प्रयागराज-दिल्ली रूट पर रोकी गईं अप-डाउन ट्रेनें

प्रयागराज । शुक्रवार रात 8:00 बजे प्रयागराज जंक्शन से दिल्ली के लिए रवाना हुई। इसी दौरान भरवारी के निकट ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस के इंजन से एक मवेशी टकरा गया। ट्रेन से टकराने के बाद मवेशी ओएचई पोल से टकराया। प्रयागराज-दिल्ली रूट पर मनोहरगंज- भरवारी स्टेशन के बीच दिल्ली जा रही ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस से एक मवेशी टकरा गया।इस वजह से ओएचई लाइन टूट गई। रात 8: 40 बजे ओएचई लाइन टूट जाने से प्रयागराज स्थित रेलवे कंट्रोल रूम में हड़कंप मच गया। इस दौरान अप लाईन मे ट्रेन संचालन रुक गया। हादसे की वजह से प्रयागराज एक्सप्रेस भी रात 11:30 बजे तक रवाना नहीं हो सकी थी। शुक्रवार रात 8:00 बजे ब्रह्मपुत्र मेल प्रयागराज जंक्शन से दिल्ली के लिए रवाना हुई। इसी दौरान भरवारी के निकट ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस के इंजन से एक मवेशी टकरा गया। ट्रेन से टकराने के बाद मवेशी ओएचई पोल से टकराया। इस वजह से ओएचई के तार इंजन पर गिरे। चलती ट्रेन में तारों के गिरने से अफरातफरी मच गई। ड्राईवर ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेन रोक ली। इस बीच ट्रेन स्टाफ ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद में आप और डाउन लाइन में ट्रेनों को रोक लिया गया। ब्रह्मपुत्र मेल के पीछ पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, रींवा एक्सप्रेस, महाबोधि एक्सप्रेस समेत करीब एक दर्जन ट्रेनों को जहां तहां रोक दिया गया। दिल्ली से प्रयागराज की ओर आ रही राजधानी समेत कई अन्य ट्रेन भी रोक ली गई । इस आपाधापी में दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस भी रात 11.30 बजे तक रवाना नही हो सकी थी। दिल्ली- हमसफर और प्रयागराज जयपुर एक्सप्रेस भी जंक्शन पर खड़ी रही। सूचना पाकर रेलवे के अधिकारी पहुंच गए। रात 10:30 तक डाउन लाइन रेल संचालन के लिए खोल दी गई लेकिन अप लाइन पर काम चालू रहा । हादसे के बाद जब ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस ट्रेन भरवारी स्टेशन पहुंची तो उसके यात्री भी काफी डरे सहमे थे। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि ओ एच ई लाइन टूटने से रेल संचालन प्रभावित हुआ। वहां इसकी मरम्मत का कार्य जा रही है।

मुख्यमंत्री बोले- पहले सिर्फ चार जिलों को मिलती थी बिजली

लखनऊ। अब प्रदेश का हर गांव व जिला वीआई पीमुख्यमंत्री योगी ने बिजली महोत्सव व ऊर्जा महोत्सव के अवसर पर पारेषण एवं वितरण केंद्रों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पहले प्रदेश में बिजली की कमी बनी रहती थी पर अब हम बिजली निर्यात करते हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उज्ज्वल भारत के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए बिजली महोत्सव व ऊर्जा महोत्सव मनाया जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में 2,723.20 करोड़ रुपये की लागत से 17 पारेषण एवं वितरण उपकेन्द्रों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जिन जनप्रतिनिधियों के प्रस्ताव पर परियोजना पूरी हुई है उन्हें बधाई। जिन परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है उनका समय पर कार्य पूर्ण होगा।

सुभासपा अध्यक्ष राजभर के भाजपा में शामिल होने को लेकर डिप्टी केशव प्रसाद मौर्य ने दिया बड़ा बयान

प्रयागराज । डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सर्टिक हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राजभर ने अभी तक पार्टी नेतृत्व से कोई बातचीत नहीं की है। नेतृत्व से जब वह मिलकर भाजपा में आने की अपनी इच्छा जताएंगे तब देखा जाएगा। सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के भाजपा में आने पर सस्पेंस बन गया है। शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की मानें तो राजभर में अभी तक भाजपा नेतृत्व से संपर्क नहीं किया है। ऐसे में उनके भाजपा का दामन थामने पर संशय बन गया है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सर्टिक हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राजभर ने अभी तक पार्टी नेतृत्व से कोई बातचीत नहीं की है। नेतृत्व से जब वह मिलकर भाजपा में आने की अपनी इच्छा जताएंगे तब देखा जाएगा। डिप्टी सीएम ने कांवडिया भोले भक्तों पर पुष्पवर्षा को लेकर असदुद्दीन ओवैसी के जहर उगलने पर कहा कि उनकी सरकार पहले भी शिव भक्तों पर पुष्पवर्षा करती रही है। आगे भी बाबा के जलाभिषेक के लिए नंगे पांव कांवड़ लेकर जाने वाले भक्तों पर पुष्पवर्षा होती रहेगी। डिप्टी सीएम ने आने वाले निकाय चुनावों में भाजपा की जीत का दावा किया। कहा कि निकाय चुनाव तो जीतेंगे ही 2024 में लोक सभा चुनाव में भी जीत का रिकार्ड बनाएंगे।

भाजपा नेत्री ने मुस्लिम महिलाओं के साथ मनाई हरियाली तीज

प्रयागराज । कार्यक्रम में काफी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने भी शिरकत की। वहां मौजूद महिलाओं ने कहा कि वह अपने अपने आवास पर आजादी के अमृत महोत्सव आयोजन के तहत 15 अगस्त के मौके पर राष्ट्रीय ध्वज जरूर लगाएंगे । पूर्व राज्यपाल केसरीनाथ त्रिपाठी के आवास पर शुक्रवार को उज्ज्वला लाभार्थियों के साथ तीज मनाई गई। इस अवसर पर महिलाओं को हरियाली तीज से जुड़े श्रृंगार के सामान का वितरण किया गया। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महिला मोर्चा के मंत्री कविता यादव त्रिपाठी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान के तहत उज्जवला लाभार्थिन्यों को राष्ट्रीय ध्वज का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने भी शिरकत की। वहां मौजूद महिलाओं ने कहा कि वह अपने अपने आवास पर आजादी के अमृत महोत्सव आयोजन के तहत 15 अगस्त के मौके पर राष्ट्रीय ध्वज जरूर लगाएंगे। इस दौरान महिलाओं ने मेहंदी भी लगाई और हरी चूडियां में पहनी। भारत माता के जयकारे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।इस अवसर पर रानी देवी, सुमन देवी, सुशीला देवी, रुचि देवी, रनने देवी, खुशबू, बबिता, आरती, तलत अफरोज, शहनाज बानो, अंजुम अंसारी, नुसरत, जिया हसन आदि मौजूद रहीं ।

पूर्वोत्तर रेलवे महाप्रबंधक ने वाराणसी शाहगंज-मऊ-औड़िहार -गाजीपुर रेल खण्ड का किया गहन निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

वाराणसी। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री अशोक कुमार मिश्रा ने आज शुक्रवार को बनारस स्टेशन से निरीक्षण विशेष गाड़ी से रवाना होकर वाराणसी-शाहगंज-मऊ-औड़िहार-गाजीपुर सिटी-करीमुद्दीनपुर खण्ड का विण्डो ट्रेलिंग एवं गाजीपुर सिटी-करीमुद्दीनपुर खण्ड का पुश ट्रॉली निरीक्षण किया।इस दौरान उनके साथ मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी श्री रामाश्रय पाण्डेय,वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(समन्वय)श्री राकेश रंजन, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर द्वितीय श्री सत्यम सिंह,वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर(पैं) श्री सत्यप्रकाश श्रीवास्तव,वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री संजीव शर्मा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री अजय प्रताप सिंह,वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डा अभिषेक ,वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री आशुतोष शुक्ला, वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर श्री रजत प्रिय,मंडल विद्युत इंजीनियर कर्षण श्री विनीत श्रीवास्तव, मंडल इंजीनियर सामान्य श्री सी.पी.कुजूर समेत वरिष्ठ पर्यवेक्षक गण उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक श्री अशोक मिश्रा ने वाराणसी-शाहगंज-आजमगढ़-मऊ औड़िहार-गाजीपुर सिटी करीमुद्दीनपुर खण्ड पर चल रहे विभिनन विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा एवं रेल परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरीक्षण विशेष गाड़ी से रवाना होकर विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुये आजमगढ़,मऊ, औड़िहार,गाजीपुर सिटी एवं यूसुफपुर होते हुए करीमुद्दीनपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। इस दौरान महाप्रबंधक ने गाजीपुर सिटी-करीमुद्दीनपुर रेल खण्ड के दोहरीकरण कार्यों को पुश ट्रॉली से गहन निरीक्षण किया और सभी कार्य मानक के अनुरूप पूर्ण करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक ने गाजीपुर सिटी-करीमुद्दीनपुर रेल खण्ड के स्टेशनों पर दोहरीकरण से सम्बन्धित कार्यों की समीक्षा करते हुये स्टेशनों पर समुचित संसाधनों यथा पैदल उपरिगामी पुल, 24 कोचों के अनुरूप हाई लेवल प्लेटफॉर्म, स्टेशन पर विद्युत प्रकाश,हाईमास्ट लाइट के प्रावधान, पीने के पानी हेतु वाटर बूथ ,शौचालय, दिव्यांग यात्रियों हेतु रैम्प बनाने, मानक के अनुसार स्टेशनों पर यात्री सुविधा के विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं पूर्णता की समीक्षा की और सम्बंधित को निर्देश दिया महाप्रबन्धक श्री अशोक कुमार मिश्रा ने अपने निरीक्षण यान से रियर विंडो ट्रेलिंग के दौरान रेलवे ट्रैक की डीप स्क्रीनिंग की और इस खण्ड के स्थाई एवं अस्थाई सतर्कता आदेशों का संज्ञान लेते हुए सफर पूरा किया। उन्होंने यात्री सुख सुविधाओं एवं संरक्षा के दृष्टिकोण से वाराणसी-शाहगंज-आजमगढ़-मऊ-औड़िहार-गाजीपुर सिटी-करीमुद्दीनपुर रेल खण्ड का विन्डोट्रेलिंग निरीक्षण कर इस रेल खण्ड के रेलपथ, ओवर हेड ट्रैक्शन, कलर लाइट सिगनल, सूचना चेतावनी बोर्ड ,यात्री सुख-सुविधाओं एवं गाजीपुर सिटी - करीमुद्दीनपुर के मध्य चल रहे दोहरीकरण कार्य की समीक्षा की। महाप्रबन्धक श्री मिश्रा ने वाराणसी-शाहगंज-मऊ - औड़िहार -गाजीपुर सिटी-करीमुद्दीनपुर रेल खण्ड पर पड़ने वाले विभिनन-स्टेशनों पर संरक्षा एवं सुरक्षा के सभी व्यवस्थाओं को पुख्ता करते हुए उन्होंने समुचित यात्री सुख-सुविधाओं के प्रबंधन समेत सार्वजनिक शौचालय एवं स्टेशनों पर पेयजल की निर्बाध आपूर्ति तथा स्टेशनों पर स्वच्छता सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में निर्देश दिया।उपरोक्त जानकारी अशोक कुमार जन सम्पर्क अधिकारी वाराणसी ने दी है।

छह लाख 25 हजार बच्चों को दी जाएगी विटामिन-ए की खुराक

वाराणसी। तीन अगस्त से चलेगा अभियानडॉ नंदलाल कुशवाहा ने बताया कि बच्चों को विटामिन-ए की खुराक देने के साथ आयरन की सीरप भी दी जाएगी। क्षेत्र की आशा सप्ताह में दो बार एक-एक एमएल और माह में आठ बार इसको पिलाना सुनिश्चित करेंगी। गोरखपुर जिले में नौ माह से पांच वर्ष तक के छह लाख 25 हजार बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जाएगी। इसके लिए तीन अगस्त से बाल स्वास्थ्य पोषण माह का आगाज होगा। सभी आशा, आंगनबाड़ी कमिऱ्यों को इस कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षित किया गया है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ नंद लाल वुशवाहा ने बताया कि स्वास्थ्यकमिऱ्यों को निर्देश दिया गया है कि कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अभियान में शामिल हों। सीएमओ डॉ आशुतोष कुमार दुबे ने बताया कि विटामिन-ए बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ कोविड से भी बचाव करेगा। आयरन की सीरप भी देंगे डॉ नंदलाल कुशवाहा ने बताया कि बच्चों को विटामिन-ए की खुराक देने के साथ आयरन की सीरप भी दी जाएगी। क्षेत्र की आशा सप्ताह में दो बार एक-एक एमएल और माह में आठ बार इसको पिलाना सुनिश्चित करेंगी।

प्रशिक्षु उपजिलाधिकारी तथा बीडीओ हरहुआ ने आयर प्राथमिक विद्यालय का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ। विकास खंड क्षेत्र हरहुआ आयर में उपजिलाधिकारी तथा बीडीओ हरहुआ आशुतोष तिवारी ने प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया ।प्रधानाध्यापक मुरलीधर दूबे से पठन पाठन,अध्यापको और बच्चो की उपस्थिति तथा मिडडेमील की जानकारी प्राप्त की। बीडीओ ने कक्षा मे बच्चो से उनकी पढाई लिखाई के बारे मे प्रश्न पूछे और मिड डे मील की गुणवत्ता के बारे मे में भी पूछताछ किए है बीडीओ हरहुआ ने अहिरौली स्थित बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय का भी निरीक्षण किया तथा कार्मिको से उनकी समस्याओ के बारे मे भी विचार विमर्श किया। निरीक्षण के दौरान एडीओ सांख्यिकी शैलेन्द्र सिंह,एडीओ सहकारिता अवधेश सिंह, सेक्रेटरी ओमप्रकाश यादव, सूर्यप्रकाशमौर्य भीम इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी में भविष्य के विकास का खाका खींच रहे मुख्य सचिव

वाराणसी। काशी और कैंट स्टेशन का किया निरीक्षण वाराणसी दौरे पर पहुंचे मुख्य सचिव डा. दुर्गा शंकर मिश्रा ने शनिवार सुबह काशी और कैंट स्टेशन का निरीक्षण किया। मुख्य सचिव इंटर मॉडल स्टेशन और रोपवे परियोजना के साथ ही अन्य बिंदुओं पर समीक्षा बैठक भी करेंगे। ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित हो रही काशी में एक छत के नीचे जल, नभ और थल की यात्री सुविधाओं वाली देश के पहले इंटर मॉडल स्टेशन को मूर्त रूप दिया जाएगा। इसके लिए वाराणसी दौरे पर पहुंचे मुख्य सचिव डा. दुर्गा शंकर मिश्रा ने शनिवार सुबह काशी और कैंट स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान रेलवे समेत जिले के कई शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे।

मनीष चौहान होंगे आजमगढ़ के नए मंडलायुक्त

आजमगढ़। मनीष चौहान अब आजमगढ़ मंडल के नए मंडलायुक्त होंगे। आयुक्त आजमगढ़ मंडल विजय विश्वास पंत को प्रयागराज मंडल का नया कमिशन्र बनाया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। शासन स्तर से हुए बड़े फेरबदल में आजमगढ़ मंडलायुक्त भी स्थानांतरित कर दिए गए हैं। मनीष चौहान अब आजमगढ़ मंडल के नए मंडलायुक्त होंगे। आयुक्त आजमगढ़ मंडल विजय विश्वास पंत को प्रयागराज मंडल का नया कमिशन्र बनाया गया है। उनके स्थान पर आजमगढ़ मंडल की कमान निदेशक उद्योग मनीष चौहान को दी गई मनीष चौहान पूर्व में आजमगढ़ के जिलाधिकारी का पदभार भी संभाल चुके हैं। राजस्थान सरकार के विभिनन विभागों में प्रमुख पदों पर रह चुके जोधपुर निवासी मनीष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सचिव भी रह चुके हैं। वे राजस्थान में डेप्यूटेशन पर अलग-अलग विभागों में तैनात रहे। जून 2020 में उत्तर प्रदेश लौटे। कौन हैं मनीष चौहान मनीष राजस्थान में जोधपुर के रहने वाले हैं। इनके पिता सरकारी नौकरी में थे। प्रारंभिक शिक्षा भरतपुर में होने के बाद मनीष का चयन आईआईटी कानपुर में हुआ। वर्ष 1996 में कंप्यूटर साइंस से बीटेक करने के बाद मनीष ने आईआईएम कोलकाता में प्रवेश लिया। वर्ष 1998 में एमबीए करने के दो वर्ष बाद उनका चयन भारतीय सिविल सेवा में हुआ।यूपी में इनकी पहली पोस्टिंग ज्वाइंट मैजिस्ट्रेट के रूप में इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुई। जालौन, गाजीपुर, हमीरपुर, हरदोई, इटावा, आजमगढ़, झांसी, अलीगढ़, बरेली और लखीमपुर खीरी में डीएम रहे। वर्ष 2013 में मनीष डेप्यूटेशन पर राजस्थान चले गए। 2018 में वापस लौटे तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन्हें अपने कार्यालय में सचिव के पद पर तैनात किया।

स्कूल बैग में घुसकर बैठा था जहरीला सांप, 11वीं के छात्र को डंसा, अस्पताल ले जाते समय मौत

जौनपुर। जौनपुर के हड़ही गांव में स्कूल बैग में घुसे जहरीले सांप के काटने से 11वीं के छात्र के मौत की घटना सामने आई है। परिजनों में कोहराम मचा है। दीवार की खूंटी पर टंगे स्कूल बैग में घुसकर बैठे जहरीले सांप के डंसने से 11वीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। घटना शुक्रवार को जौनपुर जिले के सरायख्वाजा क्षेत्र के हडही गांव में घटी। गांव निवासी गुड्डू बिंद (18) पुत्र आकाश कुमार बिंद सहकारी इंटर कॉलेज में कक्षा 11वीं का छात्र था। शुक्रवार सुबह वह अपने छोटे भाई को स्कूल भेजने के लिए खूंटी पर टंगे बैग को उतारने गया। इस दौरान बैग उसके हाथ से बैग गिर गया। स्कूल बैग में एक सांप छिपकर बैठा था। बैग जमीन पर गिरते ही सांप बाहर आया गुड्डू के पैर को डंस लिया और गायब हो गया। सांप के डंसने की जानकारी होने के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया आनन-फानन गुड्डू को लेकर जिला अस्पताल भागे। हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। इसके बाद उसे आजमगढ़ स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले जा रहे थे लेकिन जहरीले सांप के जहर का असर ऐसा था कि गुड्डू बचाया नहीं जा सका। आजमगढ़ अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिय सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। गुड्डू बिंद पढ़ाई में होशियार था। उसके निधन की खबर से सहकारी इंटर कॉलेज समेत पूरे गांव में मातम पसरा है। विषैले जंतु के डंसने से बालिका की मौत सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के साढापुर गांव निवासी राम आसरे निषाद की पुत्री बबिता (13) को गुरुवार रात सोते समय किसी विषैले जंतु ने डंस लिया। दर्द होने पर आनन-फानन परिजन उसे इलाज के लिए सीएचसी बदलापुर ले गए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महाप्रबन्धक ने डीआरएम संग आजमगढ़ रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण यात्री सुविधाऐ मुहैया कराने का दिया निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

आजमगढ़। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री अशोक कुमार मिश्र ने आज शुक्रवार को अपने एक दिवसीय निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बनारस स्टेशन से निरीक्षण स्पेशल गाड़ी से रवाना होकर वाराणसी-शाहगंज-आजमगढ़ रेल खण्ड का विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए आजमगढ़ रेलवे स्टेशन पहुँचे और स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया।इस दौरान महाप्रबन्धक ने डीआरएम संग निरीक्षण करने के उपरांत यात्री सुविधाऐ मुहैया कराने का दिया निर्देश इस अवसर पर उनके साथ मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी श्री रामाश्रय पाण्डेय,वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(समन्वय)श्री राकेश रंजन, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर द्वितीय श्री सत्यम सिंह,वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर(पैं) श्री सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री संजीव शर्मा, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डा0 अभिषेक ,वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री आशुतोष शुक्ला, वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री रजत प्रिय,मंडल विद्युत इंजीनियर कर्षण श्री विनीत श्रीवास्तव, मंडल इंजीनियर सामान्य श्री सी.पी.कुजूर समेत वरिष्ठ पर्यवेक्षक गण उपस्थित रहे पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक श्री अशोक कुमार मिश्रा ने अपने निरीक्षण के दौरान आजमगढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्री सुख-सुविधाओं,टिकट काउंटरों,पीपी शेल्टर,आर0सी0सी0 बेंच,स्टालों, प्रतीक्षालयों,सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफार्म,सामान्य यात्री लाउन्ज एवं उसमें बने एक स्टेशन एक उत्पाद स्टाल का गहन निरीक्षण किया।इसके साथ ही उन्होंने रेलवे की एक स्टेशन एक उत्पादयोजना के अन्तर्गत आजमगढ़ स्टेशन पर लगाए गये आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी एवं खिलौनों के स्टाल पर उत्पादों का ब्यौरा लिया। महाप्रबन्धक श्री अशोक कुमार मिश्रा ने अपने निरीक्षण यान से रियर विंडो ट्रेलिंग के दौरान रेलवे ट्रैक की डीप स्क्रीनिंग एवं ओवर हेड ट्रैक्शन की मानिटरिंग की और इस खण्ड के स्थाई एवं अस्थाई सतर्कता आदेशों का संज्ञान लिया और उन्होंने उक्त रेल खण्ड के सभी स्टेशनों पर दोहरीकरण से सम्बन्धित कार्यों की समीक्षा करते हुये स्टेशनों पर समुचित संसाधनों यथा पैदल उपरिगामी पुल, 24 कोचों के अनुरूप हाई लेवल प्लेटफॉर्म, स्टेशन पर विद्युत प्रकाश, हाई मास्ट लाइट के प्रावधान, पीने के पानी हेतु वाटर बूथ ,शौचालय, दिव्यांग यात्रियों हेतु रैम्प बनाने, मानक के अनुसार स्टेशनों पर यात्री सुविधा के विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं पूर्णता की समीक्षा की और सम्बंधित को निर्देश दिया । पूर्वोत्तर रेलवे मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी के जन सम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि महाप्रबंधक अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने मऊ-औड़िहार-गाजीपुर सिटी करीमुद्दीनपुर रेल खण्ड का विण्डो ट्रेलिंग एवं गाजीपुर सिटी-करीमुद्दीनपुर खण्ड का पुश ट्रॉली निरीक्षण करने हेतु रवाना हुए।

गोरखपुर डीआईजी बंगले के पास अस्पताल के बाहर चली गोली, मचा हड़कंप

गोरखपुर । एसपी सिटी कृष्ण कुमार विशनेई ने हास्पिटल के बाहर फायरिंग क्यों हुई इसकी जांच चल रही है। संचालक की तहरीर पर हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम छापेमारी कर रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा गोरखपुर जिले में एक हैरान करने वाला मामला समाने आया है। यहां डीआईजी बंगले के पास शनिवार की सुबह मनबढ़ों (बदमाश) ने हॉस्पिटल के बाहर हवाई फायरिंग कर दी। इस घटना से शहर में सनसनी फैल गई। वारदात को अंजाम देकर आरोपी मोटर साइकिल से फरार हो गए कैंट थाना पुलिस ने चार नामजद के खिलाफ हत्या की कोशिश, धमकी देने व सेवन सीएलए के तहत मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। तारामंडल के विवेकपुरम कालोनी निवासी आदर्श सिंह का डीआइजी बंगला के पास जेएस हॉस्पिटल है। कैंट थाना पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाते हुए लिखा कि शनिवार की सुबह उनके जानने वाले सूरज सिंह, राहुल शर्मा, विनय यादव व विशाल सिंह बाइक से अस्पताल के बाहर पहुंचे। आते ही इन लोगों ने असलहा निकालकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी इससे पहले आरोपियों ने शुक्रवार की सुबह बुद्ध विहार पार्ट बी में रहने वाले उनके मित्र शिवम अग्रहरी के घर पहुंचकर असलहा दिखाकर धमकाया था। उसके बाद उनके हास्पिटल पहुंचकर कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दी थी। घटना को लेकर हास्पिटल के कर्मचारी व दशहत में हैं एसपी सिटी कृष्ण कुमार विशनेई ने अस्पताल के बाहर फायरिंग क्यों हुई इसकी जांच चल रही है। संचालक की तहरीर पर हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम छापेमारी कर रही हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

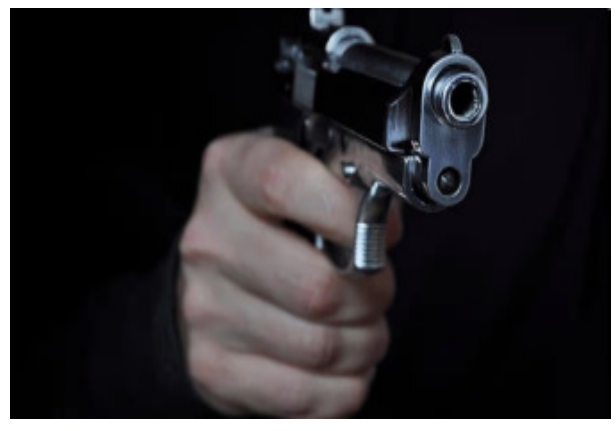

निविदा के लिए हरियाणा और मेरठ की कंपनी के बीच रेस

वाराणसी। सुगम यातायात के लिए वाराणसी कैंट से गोदौलिया के बीच प्रस्तावित रोपवे के भूमिपूजन का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। नेशनल हाईवे लाजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड की ओर से खोली गई निविदा में दो कंपनियों का चयन किया गया है। जाम मुक्त शहर की परिकल्पना को साकार करने के लिए वाराणसी कैंट से गोदौलिया के बीच प्रस्तावित रोपवे परियोजना को धरातल पर उतारने की कवायद का पहला पड़ाव पार हो गया है। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड की ओर से खोली गई निविदा में दो कंपनियों का चयन किया गया है। हरियाणा की ग्वार कंस्ट्रक्शन और मेरठ की कृष्णा कंसटेलेशन के बीच अब टेकिन्कल और फाइनेंशियल बिड की प्रतिस्पर्धा होगी। कैंट से गोदौलिया के बीच 3.75 किलोमीटर लंबे पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए रोपवे निर्माण के लिए दो कंपनियां आगे आई है। कार्यदायी संस्था के रुप में चयन से पहले इन दोनों कंपनियों को कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। शुरू में कंपनियों ने नहीं दिखाई थी रुचि फिलहाल पीपीपी माडल पर प्रस्तावित रोपवे परियोजना के विकास, क्रियान्वयन, निर्माण, संचालन और रख-रखाव सुनिश्चित करने के लिए यूपी सरकार, नेशनल हाईवे लाजिस्टिक मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड और वाराणसी विकास प्राधिकरण के बीच एमओयू हो चुका है। इसमें कार्यदायी संस्था के चयन के बाद रोपवे परियोजना धरातल पर उतर जाएगी। यहां बता दें कि रोपवे परियोजना का डीपीआर तैयार होने के बाद कई प्रयास हुए मगर निविदा में कंपनियों ने रुचि नहीं दिखाई थी। इसके बाद नेशनल हाईवे अथारिटी से जुड़ी नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट कंपनी को परियोजना को क्रियान्वयन करने के लिए नामित किया गया है। एनएचएलएमएल की ओर से परियोजना के एलाइनमेंट का विस्तृत अध्ययन कर फिर फिजीबिलिटी रिपोर्ट तैयार कर निविदा आमंत्रित की गई थी।

एमबीए छात्र की मौत के बाद सड़क पर उतरे लोग

सोनभद्र। वाहनों के शीशे तोड़े, लगाया जामआंबेडकर नगर निवासी एमबीए का छात्र रोहित (24) बुधवार की देर रात सब्जी लेकर घर लौटते वक्त ट्रेलर की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। शुक्रवार को युवक की ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। कोयला लादकर सड़कों पर अंधाधुंध दौड़ रहे मालवाहक वाहनों को बंद कराने की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने कई बार एनसीएल प्रबंधन

हो गया। शुक्रवार को युवक की ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। हादसे में घायल एमबीए के छात्र की शुक्रवार मौत के बाद रोजाना जाम व प्रदूषण से व्यथित इलाके के लोगों का धैर्य जवाब दे गया। क्षेत्र के लोग सड़क पर उतर गए। इसके चलते यूपी को मध्यप्रदेश से जोड़ने वाली अंतरराज्यीय संपर्क मार्ग पर घंटों आवाजाही ठप रही। मौके पर पहुंचे अफसरों को भी भीड़ के गुस्से का शिकार होना पड़ा। आंबेडकर नगर निवासी एमबीए का छात्र रोहित (24) बुधवार की देर रात सब्जी लेकर घर लौटते वक्त ट्रेलर की चपेट में आकर गंभीर रूप से और स्थानीय प्रशासन को दुर्घटना की आशंका जताते हुए ठोस कदम उठाने की मांग की थी लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई युवक की मौत के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने घंटों तक इंटर स्टेट कनेक्टिंग रोड को जाम करते हुए सड़क किनारे खड़े कई माल वाहक वाहनों के शीशे तोड़ दिए और कई ट्रेलरों के पहियों का हवा निकाल दी। ग्रामीण महिलाएं भी सड़कों पर उतरीं और एनसीएल प्रबंधन और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे लगाने लगीं आक्रोशितों ने सड़क जाम रख कोयला ढुलाई बंद कराने, सड़कों की मरम्मत कराने और मुआवजा देने की मांग को रखा। लोगों की भीड़ को शांत कराने शक्तिनगर व अनपरा दोनों थाने की पुलिस मौके पर मौजूद रही। पुलिस विभाग की सूचना के बाद सीओ पिपरी प्रदीप सिंह चंदेल भी मौके पर मौजूद रहे। दुद्धीचुआ जीएम पर महिलाओं ने फेंका कीचड़ अंबेडकर नगर सड़क दुर्घटना में युवक की मौत से आक्रोशित लोगों का शांत कराने और लोगों से बात करने जब एनसीएल दुद्धीचुआ जीएम मौके पर पहुंचे तो मौके पर मौजूद महिलाओं ने उनके ऊपर कीचड़ फेंक दिया। इसके बाद जीएम को उल्टे पांव लौटना पड़ गया। उन्होंने सीएमडी से बातचीत कर इस मामले का हल निकालने के प्रयास किया। अनपरा थाना प्रभारी श्रीकांत राय ने बताया कि लोगों ने जीएम के ऊपर कीचड़ फेंक दिया, जिससे उन्हें वापस लौटना पड़ा। कोरोना काल में हुई थी पिता की मौत सड़क हादसे में जान गंवाने वाले रोहित के पिता शिवकला की मृत्यु कोरोना से हो गई थी। परिवार अभी पिता की मौत के सदमे से उबरा नहीं था कि अब परिजनों ने एक पुत्र भी खो दिया। रोहित भोपाल से एमबीए की पढ़ाई कर रहा था। इस वजह से बाहर रहता था। परिजनों से मिलने और कुछ समय उनके साथ बीताने के लिए वह अपने घर आया था। आते ही वह शाम को सब्जी लेने के लिए निकला और पीछे से ट्रेलर ने टक्कर मार दी। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और शुक्रवार को उनकी मौत हो गई।

दीवार गिरने से महिला की मौतः गुस्साए लोगों ने पेट्रोल पंप पर बोला धावा, वाहनों पर पथराव और आगजनी

सोनभद्र। शक्तिनगर मार्ग पर डाला चौकी क्षेत्र अंतर्गत फ्लाईओवर के समीप एक पेट्रोल पंप की दीवार गिरने से महिला की मौत हो गई। जबकि उसका पति घायल हो गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने पेट्रोल पंप पर धावा बोल दिया। वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर डाला चौकी क्षेत्र अंतर्गत फ्लाईओवर के समीप एक पेट्रोल पंप की दीवार गिरने से महिला की मौत हो गई। हादसे में उसका पति घायल हुआ है। घटना से गुस्साए फूलमति (60) और पति छोटे मलबे में दब गए। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने दंपती को बाहर निकालकर चोपन सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं पति को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना से गुस्साए ग्रामीण पेट्रोल पंप पर धमक पड़े। ईंट-पत्थर से हमला बोल दिया। पथराव में पंप पर खड़े कई वाहनों के शीशे टूट गए।पंप का केबिन भी क्षतिग्रस्त

लोगों ने पेट्रोल पंप पर धावा बोल दिया। पथराव कर पंप और वहां खड़े वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। आगजनी भी की। बवाल की सूचना पर मौके पर चोपन, ओबरा और हाथीनाला थाने की फोर्स ने पहुंचकर स्थिति संभाली। तनाव को देखते हुए फोर्स लगाई गई है। खबर लिखे जाने तक पुलिस शव कब्जे लेने के प्रयास में जुटी रही। डाला बाजार में फ्लाईओवर के समीप स्थित पेट्रोल के बाहरी हिस्से की एक दीवार शुक्रवार की दोपहर बारिश के बाद अचानक ढह गई। पंप पर खड़े कई वाहनों के शीशे टूटे बगल में खड़े हो गया। कर्मचारियों ने किसी तरह भागकर जान बचाई। हमलावरों ने पंप पर खड़े इनोवा में आग लगा दी। हालांकि कुछ लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए आग पर तत्काल काबू पा लिया। सूचना पाकर डाला चौकी के अलावा चोपन, ओबरा और हाथीनाला थाने की फोर्स मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव कब्जे में लेने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण उच्चाधिकारियों को बुलाने की मांग करते हुए शव देने को तैयार नहीं हुए।

पुलिस ने साइबर अपराधियों से वापस कराए 99 हजार

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली के साइबर हेल्प टीम ने एक महिला के खाते से उड़ाए गए 99 हजार वापस कराने में सफल रही है। पुलिस ने बताया कि सुकृत पुलिस चौकी क्षेत्र के मधुपुर निवासी निधि मौर्य ने साइबर सेल को आठ जुलाई को सूचना दी कि साइबर अपराधियों ने उसके खाते से दो बार 25-25 हजार और एक बार 49000 हजार रुपये उड़ा दिए। साइबर सेल शाखा के प्रभारी के निर्देश पर राबर्ट्सगंज कोतवाली के साइबर हेल्प डेस्क के प्रभारी साहिद यादव, कांस्टेबल वर्षा चौधरी और अमन यादव ने बैंक से संपर्क कर पीड़िता के खाते से गायब रुपये जिस खाते में गया था उसका पता लगाया। प्रभारी निरीक्षक दिनेश प्रकाश पांडेय ने बताया कि टीम रुपये वापस कराने में सफल रही। कहा कि साइबर अपराधियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर कोई व्यक्ति कॉल कर बैंक का अकाउंट समेत अन्य पर्सनल जानकारी मांगता है तो कदापि न दें।

बिजली गिरने से युवक की मौत, बालिका झुलसी

सोनभद्र। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में शुक्रवार को बारिश के बीच बिजली गिरने से एक युवक और गाय की मौत हो गई। बालिका झुलस गई। उसे म्योरपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार की दोपहर बारिश के दौरान करमा थाना क्षेत्र के जोगिनी गांव निवासी हीरा बहेलिया का पुत्र अभिमन्यु (22) सिवान में गाय चरा रहा था। अपराह्न करीब ढाई बजे अचानक शुरू हुई बारिश के बीच बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आने से अभिमन्यु और गाय की मौके पर ही मौत हो गई। उधर, म्योरपुर कस्बे में बारिश के दौरान बिजली गिरने से लाली (12) पुत्री गोपाल रवानी गंभीर रूप से झुलस गई। इस दौरान घर में मौजूद उसकी मां सीमा देवी (33), बहन खुशी (15), लवली (10), बबली (9) को भी झटके लगे। लाली की स्थिति गंभीर होने से म्योरपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया।

टैंकर के धक्के से बाइक सवार की मौत

सोनभद्र। रेणुकूट-बीजपुर संपर्क मार्ग पर नेमना गांव के पास टैंकर के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सीएचसी भेज दिया। घटना शुक्रवार सुबह की है। ग्राम जरहां के टोला चेतवा निवासी अमन केसरी (18) पुत्र शिवकुमार किसी काम से नेमना की तरफ जा रहा था। विपरीत दिशा से आ रहे टैंकर ने बाइक सवार को चपेट में ले लिया। घटना में बाइक सवार अमन गंभीर रूप से घायल हो गया। अमन को धनवंतरि चिकित्सालय रिहंद नगर ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। सूचना पर घटनास्थल पर पहुंचे थाना प्रभारी भैया एसपी सिंह ने बताया कि पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के पिता शिवकुमार की तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन व चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बताया कि घटना के बाद वाहन को छोड़कर चालक भाग गया। वाहन को पुलिस बरामद कर लिया है।

नगवां, कोन और दुद्धी के एडीओ को चेतावनी

सोनभद्र। डीएम चंद्र विजय सिंह ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ओडीएफ फेज-2 के अंतर्गत शौचालय निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट में बैठक के दौरान उन्होंने हिदायत दी कि छूटे हुए परिवारों को शौचालय निर्माण की धनराशि कार्य प्रारंभ होने पर ही द्वितीय किस्त का भुगतान दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि ग्राम सभाओं में निर्मित सामुदायिक शौचालय निर्धारित समय पर खुलें, जिससे उसका उपयोग हो सके। देखरेख के लिए समूह की जिस महिला की तैनाती की गई है, उसके मानदेय का भुगतान निर्धारित समय पर कर दिया जाए। सामुदायिक शौचालय के संचालन की मॉनीटरिंग संबंधित विभाग की ओर से सुबह फोन कर लिया जाए। व्यक्तिगत सोख्ता गड्ढा निर्माण में नगवां, कोन और दुद्धी की प्रगति धीमी पाई गई। तीनों एडीओ पंचायत को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। ऐसा न होने पर कार्रवाई की हिदायत दी। मेरा प्लास्टिक मेरी जिम्मेदारी अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतवार एकत्रित किए गए प्लास्टिक की प्रगति की समीक्षा की। एडीएम सहदेव कुमार मिश्रा से कहा कि निकायों में भी प्लास्टिक के एकत्रीकरण के कार्य में तेजी लाई जाय। बैठक में सीडीओ सौरभ गंगवार, डीपीआरओ विशाल सिंह, बीएसए हरिवंश कुमार, डीपीओ राजेश कुमार खैरवार आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासियों का रहा है अहम योगदान

सोनभद्र। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में आदिवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन्होंने हर विदेशी आक्रांताओं के अत्याचारों का जमकर मुकाबला किया। इनके संघर्षों की कहानी भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पनने में दर्ज है। यह बातें बृहस्पतिवार को बभनी ब्लाक सभागार में संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली और जनजातीय शोध एवं विकास संस्थान की ओर से आयोजित गोष्ठी में इतिहासकार दीपक कुमार केशरवानी ने कही। उत्तर प्रदेश राज्य के गोंड आदिवासियों की परंपरागत नृत्य, गीत की प्रस्तुति और संकलन विषयक संगोष्ठी में रामायण कल्चर मैपिंग योजना के डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर दीपक कुमार ने कहा कि चार राज्यों से घिरे सोनभद्र पर आदिवासी गोंड राजाओं का शासन आदिकाल से रहा है। आदिवासी संस्कृति, कला, साहित्य से भरपूर जिला आदिवासियों की आदि भूमि रही है। यहां के जंगलों, पहाड़ों, नदियों, के किनारों पर अवस्थित गुफाओं, कंदराओं में निर्मित गुफा चित्रों के कलाकारों के बंशधर आज की आदिवासी जातियां है। इनकी संस्कृति में द्रविड़ सभ्यता जीवंत है। गोंडवाना लैंड पर गोड राजाओं का शासन रहा है। आजादी के बाद भारतीय संविधान में आदिवासी को जनजाति की मान्यता प्रदान कर इन्हें सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक तौर पर मजबूत बनाया गया। विशिष्ट अतिथि रहे बरवाटोला के ग्राम प्रधान राम प्रताप ने कहा कि वर्तमान आदिवासी संस्कृति को विलुप्त होने से बचाने के लिए भावी पिढ़ी का आगे आना होगा। अध्यक्षता संस्थान के सचिव/प्रबंधक बृजभान मरावी ने किय। इस अवसर पर हरी प्रसाद पच्ची, विनोद कुमार, पवन कुमार, मुन्नी लाल, संदीप कुमार, तारा सिंह, संगीता देवी, प्रमिला देवी आदि मौजूद रहे।

चाय पीते वक्त पत्रकारों को गोली मारने वाला बदमाश गिरफ्तार

सोनभद्र। बताया- क्यों मारी थी गोलीसोनभद्र के खलियारी बाजार में बीते 14 जुलाई को चाय की दुकान पर बैठे दो पत्रकारों को गोली मारी गई थी। एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। दूसरा पहले ही कोर्ट में सरेंडर कर चुका

है। बिहार सीमा से सटे सोनभद्र जिले के खलियारी बाजार में दो पत्रकारों को गोली मारने के मामले का शुक्रवार को पुलिस ने पर्दाफाश किया। घटना में शामिल एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। उसके एक अन्य साथी ने कुछ दिनों पहले ही भभुआ (कैमूर) कोर्ट में समर्पण किया था। पुलिस का दावा है कि घटना से पहले हुई कहासुनी के कारण नशे में धुत बदमाशों ने पत्रकारों पर हमला किया था। रायपुर थाना क्षेत्र के खलियारी बाजार में 14 जुलाई की रात करीब साढ़े आठ बजे एक चाय-नाश्ते की दुकान पर बैठे पत्रकार श्याम सुंदर पांडेय व विजय शंकर पांडेय चाय पी रहे थे। खतरे से बाहर दोनों पत्रकार इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी थी। गोली लगने से गंभीर दोनों पत्रकारों को वाराणसी रेफर किया गया था। वहां से उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। इस मामले में पुलिस अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध केस दर्ज कर छानबीन कर रही थी। शुक्रवार को प्रेस वार्ता करते हुए एएसपी विजय शंकर मिश्र और सीओ राहुल पांडेय ने बताया कि छानबीन में भभुआ जिले के चांद थाना अंतर्गत पाही गांव निवासी बृजेश जायसवाल और चैनपुर थाना अंतर्गत डूमरकोन निवासी कृष्णा यादव का नाम प्रकाश में आया। मुखबिर की सूचना पर बृजेश को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और कारतूस बरामद हुए पूछताछ में उसने बताया कि 14 जुलाई को दोनों राबर्ट्सगंज की ओर से गए थे। खलियारी बाजार से कुछ दूर पहले उनका दो लोगों से विवाद हो गया। इसी द्वेष में हुलिए के आधार पर दोनों ने दुकान पर बैठे पत्रकारों पर गोली चलाई थी। उन्हें लगा था कि विवाद करने वाले वही दोनों लोग हैं। एएसपी ने बताया कि कृष्णा यादव ने पिछले दिनों भभुआ कोर्ट में सरेंडर किया है। उसे रिमांड पर लेने की कोशिश की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में रायपुर थाना प्रभारी प्रणय प्रसून श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल सत्यजीत यादव, जितेंद्र सिंह, अमरनाथ यादव शामिल रहे।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः **15 अगस्त 2022**
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

भारत ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को 68 रन से हराया तूफानी पारी खेलने वाले कार्तिक प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 64 रन की पारी खेली। वहीं, दिनेश कार्तिक 19 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहे। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 122 रन ही बना सकी। भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 68 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 64 रन की पारी खेली। वहीं, दिनेश कार्तिक 19 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 122 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज की ओर से सबसे ज्यादा रन शामराह ब्रूक्स ने बनाए। उन्होंने 20 रन की पारी खेली। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, रविचंद्रन अश्विन और रवि बिश्नेई ने घातक गेंदबाजी की। तीनों ने दो-दो विकेट झटके। सीरीज का अगला मैच सोमवार (एक अगस्त) को सेंट किट्स के वार्नर पार्क में खेला जाएगा।पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की सधी हुई शुरुआत रही। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने इस मैच में प्रयोग करते हुए रोहित के साथ सूर्यकुमार यादव को ओपनिंग भेजा। सूर्यकुमार 16 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अकील हुसैन ने जेसन होल्डर के हाथों कैच कराया। इसके बाद श्रेयस अय्यर फ्लॉप रहे। उन्हें ओबेड मैकॉय

ने अकील के हाथों कैच कराया। श्रेयस खाता भी नहीं खोल सके। ऋषभ पंत ने कप्तान रोहित के साथ तीसरे विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी निभाई। पंत 12 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कीमो पॉल ने कैच आउट कराया। हार्दिक पांड्या फ्लॉप रहे। वह एक रन बनाकर अल्जारी जोसेफ की गेंद पर आउट हुए। इस बीच कप्तान रोहित ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 27वां अर्धशतक पूरा किया। वे 44 गेंदों में सात चौके और दो छक्के की मदद से 64 रन बनाकर आउट हुए।रवींद्र जडेजा 16 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद दिनेश कार्तिक और रविचंद्रन अश्विन ने मिलकर भारत को 190 के स्कोर तक पहुंचाया। कार्तिक और अश्विन ने मिलकर सातवें विकेट के लिए नाबाद 52 रन की साझेदारी निभाई। कार्तिक ने 19 गेंदों की अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए। वहीं, अश्विन 10 गेंदों में 13 रन बनाकर नाबाद रहे। 191 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज टीम को तेज शुरुआत तो मिली, लेकिन वे इसे जारी नहीं रख सके। पहले आठ गेंदों पर विंडीज के ओपनर्स ने 22 रन जुटा लिए थे। इसके बाद पारी के दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने कायल मेयर्स को भुवनेश्वर कुमार के हाथों कैच कराया। मेयर्स छह गेंदों में 15 रन बना सके। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने जेसन होल्डर को क्लीन बोल्ड किया। होल्डर खाता भी नहीं खोल सके। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार ने अच्छी बल्लेबाजी कर रहे शामराह ब्रूक्स को क्लीन बोल्ड किया। ब्रूक्स 15 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान निकोलस पूरन और रोवमन पॉवेल ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रविचंद्रन अश्विन ने ऐसा होने नहीं दिया। अश्विन ने पूरन को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। पूरन 15 गेंदों में 18 रन बना सके। युजवेंद्र चहल को सीरीज में आराम दिया गया है। चहल की जगह सीरीज के लिए टीम में शामिल किए गए युवा लेग स्पिनर रवि बिशनेई ने जलवा बिखेरा। मैच की अपनी पहली ही गेंद पर बिशनेई ने रोवमन पॉवेल को क्लीन बोल्ड किया। पॉवेल 17 गेंदों में 14 रन बना सके। 86 के स्कोर पर वेस्टइंडीज को छठा झटका लगा। रविचंद्रन अश्विन ने घातक गेंदबाजी करते हुए मैच में अपना दूसरा विकेट झटका। उन्होंने शिमरोन हेटमायर को सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच कराया। हेटमायर 15 गेंदों में 14 रन बना सके।

नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली अनाहत ने जीता पहला मैच

नई दिल्ली। 14 साल की उम्र में देश के लिए मेडल जीतने को तैयारअनाहत राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय टीम से खेलने वाली सबसे युवा खिलाड़ी हैं। शुक्रवार को महिला सिंगल्स के राउंड ऑफ 64 मैच में अनाहत ने अपनी उम्र से कई साल बड़ी सेंट विंसेंट और

ग्रेनेडाइंस के जैडा रॉस को लगातार तीन गेमों में हरा दिया। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारत की ओर से कई बड़े खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें पीवी सिंधु, बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और मीराबाई चानू जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। लोगों की नजर इन एथलीट्स पर तो बनी ही हुई है, लेकिन राष्ट्रमंडल खेलों के पहले दिन एक 14 साल की एथलीट ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। यह 14 साल की एथलीट कोई और नहीं बल्कि भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह हैं। अनाहत राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय टीम से खेलने वाली सबसे युवा खिलाड़ी हैं। शुक्रवार को महिला सिंगल्स के राउंड ऑफ 64 मैच में अनाहत ने अपनी उम्र से कई साल बड़ी सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस के जेडा रॉस को लगातार तीन गेमों में हरा दिया। अनाहत ने पहला गेम 11-5 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में अनाहत एक बार फिर सीनियर जैडा रॉस के लिए परेशानी खड़ी कर दी। दूसरा गेम अनाहत और भी आसानी से 11-2 से अपने नाम किया और 2-0 की बढ़त बना ली। अनाहत के आगे जेडा रॉस टिक नहीं सकीं। तीसरा गेम अनाहत ने 11-0 से जीत लिया और जैडा को राउंड ऑफ 64 के मैच में करारी शिकस्त दी। इस जीत के बाद अनाहत इमोशन भी हुईं।

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ छह मैच खेले और सब में रौंदा

नई दिल्ली। जानें पहले दिन टीम इंडिया का प्रदर्शन कैसा रहापहले दिन भारतीय खिलाड़ियों का छह मैचों में पाकिस्तान से सामना हुआ। इन छह मैचों में भारत ने पाकिस्तान को रौंद दिया। इसमें एक मुकाबला सिंगल्स इवेंट में और पांच मुकाबले टीम इवेंट के दौरान हुए। राष्ट्रमंडल

खेलों (2022) में पहले दिन भारत की शुरुआत शानदार रही। भारतीय मुक्केबाज शिव थापा अगरे दौर में पहुंचे। वहीं, तैराक श्रीहरि नटराज ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने घाना को 5-0 से हराकर राष्ट्रमंडल खेलों में धमाकेदार आगाज किया। वहीं, बैडमिंटन मिक्स्ड टीम इवेंट में भारतीय टीम ने जीत के साथ शुरुआत की। पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों का छह मैचों में पाकिस्तान से सामना हुआ। इन छह मैचों में भारत ने पाकिस्तान को रौंद दिया। इसमें एक मुकाबला सिंगल्स इवेंट में और पांच मुकाबले टीम इवेंट के दौरान हुए। इसकी शुरुआत मुक्केबाज शिव थापा से हुई। हम आपको पाक के खिलाफ जीत हासिल करने वाले छह खिलाड़ियों के बारे में बता रहे है।भारतीय मुक्केबाज शिव थापा ने 63.5 भारवर्ग में पाकिस्तान के मुक्केबाज सुलेमान बलूच को 5-0 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत दमदार ढंग से की। असम के 28 साल के थापा को लाइट वेल्टरवेट के इस मुकाबले में ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा। पांच बार के एशियाई चैंपियन शिव पाकिस्तान के कम तर्जुबेकार मुक्केबाज के सामने तकनीकी रूप से बेहद सक्षम नजर आए। उन्होंने बड़ी तेजी से पंच जड़े। विश्व चैंपियनशिप में पदक जीत चुके भारतीय मुक्केबाज ने रिंग में अच्छा दबदबा दिखाया। एक वक्त पाकिस्तानी मुक्केबाज ने आगे बढ़कर मुक्का लगाने का प्रयास किया लेकिन थापा ने ऐसी होशियारी दिखाई कि प्रतिद्वंद्वी चकमा खाकर खुद ही गिर पड़ा। बैडमिंटन मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान से था। मिक्स्ड टीम इवेंट के पहले मैच में सुमित रेड्डी और अश्विनी पोनप्पी की जोड़ी ने इरफान भाटी और गजाला सिद्दकी की जोड़ी को 21-9, 21-12 से हराया। इसके बाद पुरुष सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत ने मुराद अली को 21-7, 21-12 से हरा दिया।

मीराबाई से स्वर्ण की उम्मीद, लवलीना और हॉकी टीम पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स में दूसरे दिन भारत को पदक की उम्मीद है। मीराबाई चानू के अलावा नितेन्द्र सिंह रावत पदक दिला सकते है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में पहले दिन हॉकी, टेबल टेनिस और तैराकी में कमाल करने के बाद भारतीय खिलाड़ी दूसरे दिन भी कई खेलों में अपना जलवा दिखाएंगे। आज भारत की नजरें वेटलिफ्टर मीराबाई चानू

पर रहेंगी, जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक में देश को पहला रजत पदक दिलाया था। इस बार उनसे स्वर्ण पदक की उम्मीद होगी। मीराबाई चानू के अलावा नितेन्द्र सिंह रावत, लवलीना बोरगोहेन, महिला हॉकी टीम और टेबल टेनिस टीम पर भी सभी की निगाहें रहेंगे। नितेन्द्र सिंह रावत भी आज स्वर्ण पदक जीत सकते हैं। आइए जानते हैं कॉमनवेल्थ गेम्स में दूसरे दिन का पूरा शेड्यूल एथलेटिक्सः पुरुष मैराथन फाइनल, नितेन्द्र सिंह रावत, दोपहर 1:30 बजे पैरा स्विमिंगः पुरुष 100 मीटर बैकस्ट्रोक ए9 फाइनल, आशीष कुमार सिंह, रात 12:18 बजे। स्विमिंगः 100 मीटर बैकस्ट्रोक सेमीफाइनल, श्रीहरि नटराज, रात 1:14 बजे। 200मी फ्रीस्टाइल हीट 3, कुशाग्र रावत, दोपहर 3:00 बजे। जिमनास्टिकः महिला टीम फाइनल, रात 9:00 बजे। व्यक्तिगत क्वलीफाइंग राउंड, प्रणति नायक, रुथुजा नटराज, प्रोतिष्ठा सामंत, रात 9:00 बजे। बैडमिंटनः मिश्रित टीम ग्रुप ए भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, दोपहर 11:30 बजे। मिश्रित टीम ग्रुप ए भारत बनाम श्रीलंका, दोपहर 1:30 बजे। बॉक्सिंगः 54-57 किलोग्राम भारवर्ग, हुसैन मोहम्मद बनाम अमजोलेले, दोपहर 4:30 बजे। 66-70 किलोग्राम भारवर्ग, लवलीना बोरगोहेन बनाम एरियन निकोलसन, रात 11:00 बजे। 86-92 किलोग्राम भारवर्ग, संजीत बनाम एटो लिउ ग्रोड्जिकी, 31 जुलाई रात 1:15 बजे। साइकलिंगः महिला स्प्रिंट क्वालिफाइंग मयूरी लुटे, त्रयशा पॉल, दोपहर 2:30 बजे। महिला 3000मी व्यक्तिगत क्वालीफाइंग राउंड, मीनाक्षी, दोपहर 2:30 बजे। पुरुषों 4000 मीटर व्यक्तिगत क्वालीफाइंग राउंड, विश्वजीत सिंह, दिनेश, दोपहर 2:30 बजे। पुरुष कीरिन फर्स्ट राउंड एसो अल्बेन, रात 8:30 बजे। हॉकीः महिला पूल ए भारत बनाम वेल्स, रात 11:30 बजे। वेटलिफ्टिंगः पुरुष 55 किलोग्राम भारवर्ग, संकेत महादेव सरगरी, दोपहर 1.30 बजे। पुरुष 61 किलोग्राम भारवर्ग, गुरुराज, दोपहर 1.30 बजे।महिला 49 किलोग्राम भारवर्ग, सैखोम मीराबाई चानू, रात 08:00 बजे। महिला 55 किलोग्राम भारवर्ग, बिंद्यारानी देवी सोरोखैबाम, 31 जुलाई रात 12:30 बजे।टेबल टेनिसः महिला टीम ग्रुप 2 भारत बनाम गुयाना, दोपहर 2:00 बजे। पुरुष टीम ग्रुप इंडिया बनाम उत्तरी आयरलैंड, दोपहर 2:00 बजे। क्वार्टरफाइनल में पहुंचने पर टेबल टेनिस टीम के मैच रात 8:30 बजे से होंगे। स्क्वॉशः पुरुष एकल, रैमित टंडन बनाम क्रिस्टोफर बिननै (जमैका), शाम 4:30 बजे। महिला एकल, जोशना चिनप्पा बनाम मेगन (बारबाडोस), शाम 4:30 बजे। महिला एकल, सुनयना सारा कुरुविल्ला बनाम आइफा अजमान (मलेशिया), शाम 4:30 बजे। पुरुष एकल, सौरव घोषाल बनाम शमिल वकील (श्रीलंका), शाम 4:30 बजे। लॉन और बोल्सः पुरुष टीम (तीन खिलाड़ी), भारत बनाम माल्टा, दोपहर 1:00 बजे।

राशीफल

मेष-: आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपको परेशान करेगा। वित्तीय कल्याण आपके लिए अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदना आसान बना देगा।

वृष-: आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपका मन चाह सकता है कि आप कोई नया काम शुरू करें। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मिथुन-: कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सहभागी व्यवसायों और वित्तीय योजनाओं में हेराफेरी करने में निवेश न करें। आपका ऊर्जावान, जीवंत और गर्मजोशी भरा व्यवहार आज आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क-: आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आज अचानक आपका आपा खो सकता है और जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। करियर के मामले में आप पर जितनी जिम्मेदारियां आप संभाल सकते हैं

सिंह-: बेचैनी की फुसफुसाहट आपको परेशान कर सकती है. इससे बचने के लिए टहलने जाएं और ताजी हवा में गहरी सांस लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार होगी।

कन्या-: आज आप भाग्यशाली रहेंगे। मेडिकल छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको किसी अच्छे डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक किसी महत्वपूर्ण कार्य के कारण आपको स्टेशन से बाहर।

तुला-: तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

वृश्चिक-: आज के दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी. आज आप सकारात्मक तरंगों से भरे हुए हैं। अपनी योजनाओं को दूसरों के साथ साझा न करें, अन्यथा दूसरे लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

धनु-: अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है. मन जीवन का द्वार है, क्योंकि इससे अच्छा और बुरा सब कुछ आता है। यह जीवन की समस्याओं पर काबू पाने में मददगार साबित है।

मकर-: आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार से जुड़ा कोई जरूरी काम आज पूरा हो सकता है। कोई नया काम शुरू करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आप हर उस व्यक्ति के साथ प्यार से पेश आएंगे।

कुंभ-: अपने शरीर से थकान को दूर करने और अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूर्ण आराम की आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की थकान आपके मन में निराशा को जन्म दे सकती है।

मीन-: तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

49 पर पांच विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह गेंद रहते जीता मैच

नई दिल्ली। राधा-राजेश्वरी बनी हार की विलेन110 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का सातवां विकेट गिरा तो लगा कि भारत अब मैच खत्म कर लेगा। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। गार्डनर ने अलना किंग के साथ 47 रन की साझेदारी कर 19 ओवर के अंदर ऑस्ट्रेलिया को मैच जिता दिया। कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने पहले मुकाबले में ही टीम इंडिया

को हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को तीन विकेट से हराया है। इस मैच में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 154 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट खोकर एक ओवर रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए गार्डनर ने नाबाद 52 रन बनाए। भारत ने इस मैच में 49 रन के अंदर ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम को आउट कर दिया था, लेकिन गार्डनर ने अपने दम पर मैच पलट दिया। ऑस्ट्रेलिया को 155 रन का लक्ष्य देने के बाद टीम इंडिया ने शानदार शुरुआत की थी और रेणुका ने पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। उन्होंने पावरप्ले में अपने तीन ओवर में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआती चार बल्लेबाजों को आउट कर दिया था। दीप्ती ने रेचल हायेंस को आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। 49 रन के अंदर आधी ऑस्ट्रेलियाई टीम आउट हो चुकी थी और भारत की जीत तय नजर आ रही थी। इसके बाद एश्ले गार्डनर और ग्रेस हैरिस ने 51 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को मैच में वापस ला दिया। 110 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का सातवां विकेट गिरा तो लगा कि भारत अब मैच खत्म कर लेगा। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। गार्डनर ने अलना किंग के साथ 47 रन की साझेदारी कर 19 ओवर के अंदर ऑस्ट्रेलिया को मैच जिता दिया। राजेश्वरी-राधा बनी हार की विलेन इस मैच में भारतीय टीम दो तेज गेंदबाजों और तीन स्पिनर्स के साथ मैदान में उतरी थी और कप्तान हरमनप्रीत की यही गलती भारी पड़ गई। राजेश्वरी गायकवाड़ ने दो ओवर में 24 रन दिए और कोई विकेट नहीं लिया। वहीं राधा यादव ने चार ओवर में 42 रन लुटा दिए और उन्हें भी कोई विकेट नहीं मिला। कप्तान हरमनप्रीत ने एक ओवर किया और 10 रन लुटा दिए। इसी वजह से तेज गेंदबाजों के ओवर खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने मैच में वापसी कर ली। रेणुका की शानदार गेंदबाजी रेणुका सिंह ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने अपने चार ओवर में 18 रन देकर चार विकेट लिए। रेणुका ने ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती चार बल्लेबाजों को पावरप्ले के अंदर आउट कर दिया था और भारत की जीत तय नजर आ रही थी, लेकिन एश्ले गार्डनर की शानदार पारी के चलते ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यह मैच जीत लिया। कप्तान हरमनप्रीत ने भारत को 150 के पार पहुंचाया टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं थी। स्मृति मंधाना 17 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हो गईं। इस समय भारत का स्कोर सिर्फ 25 रन था। इसके बाद शेफाली वर्मा ने यास्तिका भाटिया के साथ मिलकर पारी को संभाला और भारत का स्कोर 68 रन तक ले गईं।

हरमनप्रीत की फिफ्टी, रेणुका ने बरपाया कहर, तस्वीरों में देखें पहली बार शामिल महिला क्रिकेट का रोमांच

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों में शुक्रवार (29 जुलाई) को क्रिकेट को लेकर इतिहास रचा गया। खेलों के 92 साल के इतिहास में पहली बार महिला क्रिकेट टीम ने हिस्सा लिया। इस ऐतिहासिक लम्हें को

यादगार बनाने का मौका भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीम को दिया गया। दोनों के बीच शानदार मुकाबला खेला। मैच के अंत तक भारतीय टीम हावी थी, लेकिन आखिरी कुछ ओवरों में ऑस्ट्रेलिया ने पासा पलट दिया। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर राष्ट्रमंडल खेलों में अर्धशतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं। उन्होंने 34 गेंद पर 52 रन बनाए। अपनी पारी के दौरान उन्होंने आठ चौके लगाए। हरमन के बल्ले से एक छक्का भी निकला। ऑस्ट्रेलिया को 155 रन का लक्ष्य देने के बाद टीम इंडिया ने शानदार शुरुआत की थी और रेणुका सिंह ठाकुर ने पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। उन्होंने पावरप्ले में अपने तीन ओवर में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआती चार बल्लेबाजों को आउट कर दिया था। रेणुका ने चार ओवर में 18 रन देकर चार विकेट लिए। यह टी20 में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने इस मैच में 49 रन के अंदर ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम को आउट कर दिया था, लेकिन गार्डनर ने अपने दम पर मैच पलट दिया। 110 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का सातवां विकेट गिरा तो लगा कि भारत अब मैच खत्म कर लेगा। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। गार्डनर ने अलना किंग के साथ 47 रन की साझेदारी कर 19 ओवर के अंदर ऑस्ट्रेलिया को मैच जिता दिया। पहली बार महिला क्रिकेट खिलाड़ी जब मैदान पर उतरीं तो उनका स्वागत शानदार अंदाज में किया गया। जमकर आतिशबाजी हुई और दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाईं। दाएं हाथ की तेज गेंदबाज मेघना सिंह को मैच में डेब्यू करने का मौका मिला। उन्होंने डेब्यू मैच में ग्रेस हैरिस का विकेट लेकर अंतिम ओवरों में भारत की वापसी कराई थी। हालांकि, टीम इंडिया को जीत नहीं मिली। मेघना बल्लेबाजी में नाकाम रही। मेगन सट की पहली ही गेंद पर आउट हो गईं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को तीन विकेट से हराया है। इस मैच में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 154 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट खोकर 157 रन बनाकर एक ओवर रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए गार्डनर ने नाबाद 52 रन बनाए। राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पहली बार महिलाएं क्रिकेट खेल रही हैं। इससे पहले 1998 में क्रिकेट को शामिल किया गया था, तब सिर्फ पुरुष टीमों ने हिस्सा लिया था। तब भारतीय टीम अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहने के बाद बाहर हो गई थी। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल मैच खेला गया था। अफ्रीकी टीम ने कंगारूओं को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। न्यूजीलैंड ने कांस्य पदक के मैच में श्रीलंका को हरा दिया था।

भारत ने वेस्टइंडीज को 68 रन से हराया

नई दिल्ली। पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त लीवेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारत ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 122 रन ही बना सकी। भारत ने पहला मैच 68 रन से जीत लिया।भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में

वेस्टइंडीज को 68 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 64 रन की पारी खेली। वहीं, दिनेश कार्तिक 19 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहे। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 122 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज की ओर से सबसे ज्यादा रन शामराह ब्रूक्स ने बनाए। उन्होंने 20 रन की पारी खेली। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, रविचंद्रन अश्विन और रवि बिशनेई ने घातक गेंदबाजी की। तीनों ने दो-दो विकेट झटके। सीरीज का अगला मैच सोमवार (एक अगस्त) को सेंट किट्स के वार्नर पार्क में खेला जाएगा।17वें ओवर में 101 के स्कोर पर वेस्टइंडीज को आठवां झटका लगा। अर्शदीप सिंह ने शानदार यॉर्कर पर अकील हुसैन को क्लीन बोल्ड किया। अकील 11 रन बना सके। 17 ओवर के बाद विंडीज का स्कोर आठ विकेट पर 104 रन है। विंडीज की टीम को 18 गेंदों में 87 रन की जरूरत है, जो कि असंभव दिख रहा। फिलहाल कीमो पॉल और अल्जारी जोसेफ क्रीज पर हैं। 14वें ओवर में 86 के ही स्कोर पर वेस्टइंडीज को सातवां झटका लगा। रवि बिशनेई ने ओडियन स्मिथ को विकेटकीपर पंत के हाथों स्टंप आउट कराया। स्मिथ खाता भी नहीं खोल सके। बिशनेई को इस मैच में मिली यह दूसरी सफलता रही। वहीं, अश्विन ने भी दो खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा है। 13वें ओवर में 86 के स्कोर पर वेस्टइंडीज को छठा झटका लगा। रविचंद्रन अश्विन ने घातक गेंदबाजी करते हुए मैच में अपना दूसरा विकेट झटका। उन्होंने शिमरोन हेटमायर को सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच कराया। हेटमायर 15 गेंदों में 14 रन बना सके। फिलहाल ओडियन स्मिथ और अकील हुसैन क्रीज पर है। 13 ओवर के बाद विंडीज का स्कोर छह विकेट पर 86 रन है।

सम्पादकीय

मानसून का देश में आना उत्तराखंड के पहाड़ों में कठिनाइयों से सामना

मानसून का आना देश में सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन अति वर्षा से कई इलाकों में बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण स्थानीय नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों के लिए आर्थिक रूप से मानसून अहम तो है, लेकिन इससे उनकी दैनिक दिनचर्या सबसे अधिक प्रभावित होती है। अत्यधिक वर्षा से ग्रामीण क्षेत्र अन्य इलाकों से कट कर रह जाते हैं। इसकी मुख्य वजह सड़क का नहीं होना है। कच्चे और फिसलन भरे रास्तों पर चलना दूभर हो जाता है। वैसे तो पहाड़ी क्षेत्र का नाम सुनते ही न जाने कितनी कल्पनाएं हमारे दिमाग में बन जाती हैं। पहाड़ी क्षेत्र है, तो ठंडी हवाएं चलती होंगी, शुद्ध वातावरण होगा, गर्मी का नामों-निशान नहीं होगा, प्रतिदिन बारिश से मौसम सुहावना रहता होगा इत्यादि। परंतु कल्पनाओं से हकीकत बिल्कुल विपरीत है। जब यहां लगातार बारिश होती है, तो लोगों की जान मुसीबत में आ जाती है। कई बार बादल फटने अथवा जमीन धंसने की घटनाओं से जान-माल का काफी नुकसान होता है। इस समय भी पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में अत्यधिक बारिश तबाही मचा रही है। दूर-दराज के कई गांव ऐसे हैं, जो अन्य इलाकों से कट गए हैं, क्योंकि पक्की सड़क नहीं होने के कारण वहां पहुंचना मुश्किल हो गया है। बिजली और संचार की व्यवस्था भी लगभग ठप हो गई है। ऐसे में कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि वहां का सामाजिक जीवन किस प्रकार कष्टकर होता होगा बच्चों की पढ़ाई कितनी प्रभावित होती होगी? उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित कपकोट ब्लॉक का बघर गांव, जो पहाड़ की चोटी पर बसा है। यह पहाड़ पर बसा आखिरी इंसानी गांव है। यहां पर आकर सीमा समाप्त हो जाती है। इसके आगे कोई गांव नहीं है और यहां तक सड़क की कोई सुविधा नहीं है। इससे ग्रामीणों, विशेषकर स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गांव की किशोरियां- नेहा और बबली कहती हैं, हमारा स्कूल गांव से चार किलोमीटर दूर है, जहां सड़क की सुविधा भी नहीं है, जिस कारण हमें जंगल के रास्ते से स्कूल जाना पड़ता है। इन्हीं परेशानियों के कारण न तो हम समय से स्कूल पहुंच पाते हैं और न ही घर, जिससे हमारी पढ़ाई पर भी काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। स्कूल जाते समय जब हमें जंगलों से गुजरना पड़ता है, तो जानवरों का भी भय बना रहता है। अगर ऐसे में कोई जंगली जानवर आ जाए, तो हम कहीं भाग भी नहीं सकते हैं। वह बताती हैं कि जब बारिश होती है, तो जंगल के कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, ऐसे में हमें डर भी लगता है कि कहीं हम फिसल कर खाई में गिर न जाएं। उन्होंने कहा कि यदि स्कूल आने-जाने के लिए सड़क मिल जाए, तो हमें एक सुरक्षित रास्ता मिल जाएगा, जिससे हम स्कूल और घर समय पर पहुंच सकते हैं। सड़क न होने से परेशान गांव वासी लाल सिंह और पवन सिंह का कहना है कि हम मजदूरी करने वाले लोग हैं, हमें रोज काम करने के लिए गांव से बाहर जाना पड़ता है। गांव में, जहां थोड़ी-बहुत सड़क ठीक है, वह भी बारिश के दिनों में खराब हो जाती है। रास्ता सही न होने के कारण हमें राशन और खाने-पीने की सामग्री आदि लाने में भी मुश्किल आती है। वहीं बुजुर्ग महिला जसुली देवी का कहना है कि हम भी अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं, लेकिन गांव में बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। टूटी-फूटी सड़कों के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों और गांव के बुजुर्गों को बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सड़क न होने के कारण गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती है, जिससे मरीजों को चारपाई पर लिटाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है, जो वर्षा के दिनों में सबसे खतरनाक परिस्थिति होती है। राजकीय इंटर कॉलेज, बघर के शिक्षक प्रताप सिंह का कहना है कि यह कॉलेज गांव से चार किलोमीटर दूर है। यहां बहुत दूर-दूर से बच्चे आते हैं। बरसात में अधिक बारिश होती है, तो बच्चे आना बंद कर देते हैं। यह वह गांव है, जहां लोग सड़कों पर चलने के लिए सड़क ढूंढते हैं। हालांकि गांव वालों का विश्वास है कि गांव-गांव तक सड़कों का जाल बिछाने वाली सरकार एक दिन उनके गांव तक भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधा जरूर पहुंचाएगी।

मानव स्वास्थ्य के लिए नई तकनीकों से चिकित्सा में क्रांति से जटिल रोगों के उपचार की उम्मीद

रेडियोलॉजी चिकित्सा विज्ञान) में आधुनिक तकनीकों का काफी ज्यादा प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म की मदद से असामान्य तस्वीरों के बारे में सूचना हासिल की जा सकती है। नई तकनीकों के आविष्कार से चिकित्सा जगत में ऐसी क्रांति हुई है, जिसने जटिल रोगों के उपचार और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के नए द्वार खोल

दिए हैं। इससे आधुनिक चिकित्सा पद्धति (स्दीह सम्महा) को बहुत मदद मिली है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल ऑपरेशन थियेटरों में होता है और इससे सर्जरी करने वाले डॉक्टरों को बेहतर अनुमान हासिल करने में मदद मिलती है। आभासी तकनीक का इस्तेमाल मानसिक रोगों के इलाज के लिए कृत्रिम माहौल बनाने में किया जा सकता है। एआई का दायरा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यह कम समय और कम लागत में वह काम कुशलतापूर्वक करता है, जो मनुष्य कर सकता है। एआई विभिनन्न लक्षणों की निगरानी, आपातकालीन देखभाल में सहायता के माध्यम से बीमारियों का पता शुरुआती चरणों में ही लगाने में मदद करता है। रोबोट कठिन और आवश्यक सर्जरी में डॉक्टरों की मदद कर रहे हैं। रोबोटिक्स पुनर्वास केंद्रों में भी व्यायाम और उपचार के साथ व्यक्तियों की सहायता करते हैं। ट्रामा, ट्यूमर और संक्रमण की वजह से होने वाली हड्डी संबंधी बीमारी के इलाज में 3-डी प्रिंटिंग की वजह से क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला है। दरअसल, 3-डी प्रिंटिंग के जरिये छिद्रयुक्त कस्टमाइज प्रत्यारोपण संभव होता है और इससे अंगों की सुरक्षा में मदद मिलती है। कई मामलों में अंग-विच्छेदन को रोका जा सकता है। जीनोम अनुक्रमण तकनीक की मदद से शुरुआती चरण में ट्यूमर का पता लगाया जा सकता है। गणितीय मॉडल के आधार पर सफलता/जटिलताओं आदि के बारे में भविष्यवाणी करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग का अहम योगदान रहा है।

जितने कामयाब लेखक उतने ही दूरदृष्टा पत्रकार

जिनके लिए पत्रकारिता मिशन थीठहंसठपत्रिका निकालने के पूर्व जयशंकर प्रसाद को लिखे एक पत्र में प्रेमचंद जी लिखते हैं कि- काशी से कोई साहित्यिक पत्रिका न निकलती थी। मैं धनी नहीं मजदूर आदमी हूं, मैंने 'हंस' निकालने का निश्चय कर लिया है। इस निश्चय के साथ मार्च 1930 में बसन्त पंचमी के दिन 'हंस' के प्रकाशन की शुरुआत हुई। मुंशी प्रेमचंद की साहित्यकार, कहानीकार और उपन्यासकार रूप में चर्चा अक्सर होती है। पर उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया जाता है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटीश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। इसकी बानगी प्रेमचंद द्वारा संपादित काशी से निकलने वाले दो पत्रों 'जागरण' और 'हंस' की टिप्पणीयों-लेखों और संपादकीय में देखा जा सकता है। वैसे तो पत्रकारिता को दैनिक इतिहास का दर्जा प्राप्त है। पर मुंशी प्रेमचंद आर्थिक तंगहाली के वक्त भी अपने लेखन के जरिये जुर्माने का जोखिम उठाकर भी इतिहास की धारा को नया मोड़ देने की दिशा में संलग्न दिखते है।इस भूमिका में भी प्रेमचंद पत्रकारिता को नये तेवर-कलेवर के साथ समाज के आगे चलने वाली मशाल बनाना चाहते है। बात उस दौर की यह वह दौर था, जब राष्ट्रीय राजनीतिक क्षितिज पर महात्मा गांधी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन को सविनय अवज्ञा, भूख हड़ताल और असहयोग जैसे सर्वथा नये औजारों से लैश कर रहे थे। काशी में भी प्रेमचंद-जयशंकर प्रसाद और आचार्य रामचंद्र शुक्ल की त्रयी पुराने जीर्ण शीर्ण मूल्यों की जगह नये मूल्यों-संस्कारों से साहित्य के

आंगन को सजा-संवार रहे थे 'मैं धनी नहीं मजदूर आदमी हूं' हंस पत्रिका निकालने के पूर्व जयशंकर प्रसाद को लिखे एक पत्र में प्रेमचंद जी लिखते हैं कि- काशी से कोई साहित्यिक पत्रिका न निकलती थी। मैं धनी नहीं मजदूर आदमी हूं, मैंने 'हंस' निकालने का निश्चय कर लिया है। इस निश्चय के साथ मार्च 1930 में बसन्त पंचमी के दिन 'हंस' के प्रकाशन की शुरुआत हुई। हंस' नामकरण के बारे में कमल किशोर गोयनका कहते है कि-यह नाम उनके मित्र एवं प्रख्यात कवि जयशंकर प्रसाद ने छह माह पूर्व सुझाया था।इस पत्रिका का प्रकाशन भी उन्हीं के सरस्वती प्रेस से हुआ। 'हंस' के प्रथम अंक के संपादकीय लिखते हुए प्रेमचंद ने लिखा है- हंस भी अपनी नन्हीं चोंच में चुटकी भर मिट्टी लिये हुए समुद्र पाटने, आजादी की जंग में योगदान देने चला है।... साहित्य और समाज में वह उन गुणों का परिचय करा ही देगा, जो परंपरा ने उसे प्रदान किया है।प्रेमचंद एक युगद्रष्टा साहित्यकार ही नहीं, एक युगद्रष्टा पत्रकार भी थे। अपने पत्रों लेखों और टिप्पणीयां वे मानो आज की सच्चाई बयां करते लगते है। सन् 1905 में 'जमाना' में स्वदेशी चीजों का प्रचार कैसे बढ़ सकता है- विषय पर एक गंभीर टिप्पणी लिखते हुए मुंशी प्रेमचंद कहते है कि- स्वदेशी का अलख जगाने वाले और समाजवाद को ओढ़ने-बिछाने वाले बराबर दूरी पर खड़े हैं। इस लिए खुली अर्थव्यवस्था और विनिवेश का अश्वमेध जारी है। प्रेमचंद की पत्रकारिता इस अश्वमेध के खिलाफ ललकार है। उनकी संपादकीय तटस्थता को साहित्यकार जैनेंद्र कुमार 'ममताहीन स द् भाव' कहा है। भारत के स्वाधीनता संग्राम में भले ही प्रेमचंद ने खुलेआम भाग न लिया हो। पर अपने उपन्यासों-कहानियों, पत्र पत्रिकाओं में लेखों के जरिये वे आजादी के सवाल को और उस बहाने आजादी के संघर्ष के लिए लड़ने वाले नायकों में विद्रोह की चेतना जगाने में कभी पीछे नहीं रहे।अपने इस दृष्टिकोण का इजहार 3जून 1932 को बनारसी दास चतुर्वेदी को लिखे एक पत्र में भी किया है- मेरी आकांक्षा बहुत ज्यादा नहीं है। खाने भर का मिल जाता है। मुझे दौलत-शोहरत नहीं चाहिए। पर मेरे भीतर 'मोटर बम' है। मैं तीन-चार अच्छी पुस्तकें लिख सकूं जो आजादी के काम आ सके। मेरे मानस का हंस अपनी चोंच में आजादी की मिट्टी लेकर अपना योगदान कर रहा है। मुख्य पृष्ठ पर कन्हैयालाल मुंशी का नाम सन् 1935 में 'हंस' को भारतीय साहित्य का मुख्य पत्र बना दिया गया। इसके मुख्य पृष्ठ पर कन्हैयालाल मुंशी का नाम भी जाने लगा। इस पत्रिका के सलाहकार मंडल में हिंदी, उर्दू, आसामी, उड़िया, गुजराती, मराठी, कनन्ड़, तमिल, तेलगू और मलयालम के प्रतिष्ठित विद्वानों को शामिल किया गया। हिंदी में महात्मा गांधी, पुरुषोत्तम दास टंडन, रामनरेश त्रिपाठी काका साहेब कालेलकर सरदार नर्मदा प्रसाद सिंह जैसे नामचीन हस्तियां शामिल थी। अप्रैल सन् 1932 के अंक में संपादकीय टिप्पणी दमन की सीमा प्रकाशित हुई। इस टिप्पणी के छपने के बाद हर्जाने के रूप में एक हजार जमानत मांगी गयी। प्रेमचंद ने जमानत जमा नहीं किया और हंस पत्रिका बंद करने का निर्णय किया। हंस की हंसवाणी कालम में अपनी भाषा सम्बधी अवधारणा को स्पष्ट करते हुए मुंशी प्रेमचंद जी लिखते है कि- अंग्रेजी भाषा का जादू कब तक हमारे सिर रहेगा कब तक हम अंग्रेजों के गुलाम बने रहेंगे। इससे यहीं टपकता है कि हमारी राष्ट्रीयता अभी हृदय की गहराई तक नहीं पहुंची है।

उत्तर प्रदेश के बुनकरों की मुरीद दुनिया

उत्तर प्रदेश के स्थानीय बुनकरों की मुरीद दुनिया की नामचीन कंपनियां भी हो चुकी हैं। रिटेल क्षेत्र की अंतर्राष्ट्रीय स्वीडिश कंपनी र्घ्ळिं(आईकिया) के तमाम स्टोर्स में इन बुनकरों के बुने कालीन और रग दुनिया भर में खूब बिक रहे हैं। उत्तर प्रदेश के स्थानीय बुनकरों की मुरीद दुनिया की नामचीन कंपनियां भी हो चुकी है। रिटेल क्षेत्र की अंतर्राष्ट्रीय स्वीडिश कंपनी बुनकरों को स्वावलंबी बनने का अवसर भी मिलेगा। दरअसल आईकिया ने देसी कलाकारी को वैश्विक बनाने और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर देने के लिए भारत समेत कुछ अन्य देशों के स्थानीय कारीगरों के साथ भी करार किया है।कंपनी ने दो साल पहले भारतीय पारंपरिक हस्तशिल्प से प्रभावित होकर इसे आधुनिक रूप में पेश करने का मन बनाया। इसके लिए प्रत्येक कुशन कवर, गलीचा, टोकरी और कटोरों पर उकेरी गई कलाकृति भारतीय विविधता का अनूठा उदाहरण है। भारतीय कलाकारों के बनाए उत्पाद इस वक्त आईकिया के 25 अंतर्राष्ट्रीय बाजारों और वैश्विक स्तर पर 294 स्टोरों में उपलब्ध हैं। आपको बता दूं कि आईकिया साल 2013 से ही तमाम छोटे और मझोले शिल्पकारों के साथ मिलकर अपने उत्पादों को

र्घ्ळिं(आईकिया) के तमाम स्टोर्स में इन बुनकरों के बुने कालीन और रग दुनिया भर में खूब बिक रहे हैं। आईकिया इन्हें लोकल (स्वीडिश में लोकल्त) नाम से बेच रही है।दरअसल, इन कालीन की मांग काफी ज्यादा है, जिसपर भारतीय बुनकरों ने अपने पारंपरिक व सांस्कृतिक छाप छोड़ी है। दिलचस्प यह है कि उत्तर प्रदेश के महिला बुनकरों के स्वयंसेवी समूह इन कालीन को तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।आईकिया ने अपने लोकल कलेक्शन के लिए उत्तर प्रदेश के स्थानीय हैंडीक्राफ्ट बुनकरों को साथ लिया है। इस कलेक्शन में आधुनिक और पारंपरिक दोनों तरह की बुनाई का सामंजस्य है।इधर, इनमें अधिकांश महिला बुनकरों के समूह हैं। ये कुशन कवर और 100ज्ञ् ऊन के बने गलीचे तैयार करने में दक्ष हैं। कंपनी को उम्मीद है कि इस प्रयास से ग्रामीण महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा और महिला कंपनी ने स्थानीय भारतीय कारीगरों, डिजाइनर और शिल्पकारों को अपने साथ जोड़ा और फिर इस नई रेंज को नाम देकर दुनिया भर के आईकिया स्टोर्स में पिछले साल पेश कर दिया। एक स्वीडिश शब्द है जिसका अर्थ स्थानीय होता है। इस श्रेणी में फिलहाल भारतीय स्थानीय कारीगरों के अलावा जॉर्डन और थाईलैंड के कारीगरों को भी जोड़ा गया है। आईकिया के अधिकारी बताते हैं कि भारतीय कारीगरों द्वारा निर्मित कालीन और रंग की बिक्री अबतक काफ़ी सफल रही है। इसलिए भविष्य में भी यूपी के कारीगरों के साथ उनका नाता बना रहेगा। आईकिया स्वीडन के मुताबिक कपड़ों और चीनी मिट्टी की चीजों पर पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प लोगों का ध्यान बरबस ही अपनी तरफ आकर्षित करती है। यह छोटे उद्यमियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल प्रदर्शन का मौका भी दे रही है। तैयार कर रहा है। अनुमानित तौर पर आईकिया के इस प्रयास से क़रीब 30 हजार शिल्पकारों और छोटे उद्यमियों को रोज़गार मिल सका है। यही नहीं आईकिया ने एक भारतीय युवा डिज़ाइनर आकांक्षा देव को भी अपने नए कलेक्शन के लिए जोड़ा है ताकि बनाना फाइबर से नए तरह के लैंप शेड को तैयार किया जा सके। यह लैंप शेड कारखानों में बचे हुए उत्पादों (वेस्ट मैटेरियल) से तैयार हो रहे हैं। इसे जीरो वेस्ट मैनेजमेंट और नवीकरण की दिशा में कंपनी का अनूठा प्रयास भी माना जा सकता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, भारतीय हस्तशिल्प का निर्यात दुनिया के कई बड़े देशों में किया जाता है। शीर्ष 10 आयातक देशों में अमेरिका, यूके, यूएई, जर्मनी, फ्रांस, लैटिन अमेरिका के देश (एलएसी), इटली, नीदरलैंड, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

आने वाले दशक पृथ्वी के लिए तबाही भरे होंगे, बदलते मौसम हैं संकेत

आज 28 जुलाई को दुनियाभर में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है। लेकिन ये दिवस अब केवल कागजों और आयोजनों के भीतर कैद हो गए हैं। असली दुनिया बदल रही है। मौमस बदल रहे हैं। एशिया के साथ-साथ पहली बार यूरोप में भीषण गर्मी का प्रकोप झेल रहा है। गर्मी की वजह से ब्रिटेन के इतिहास में पहली बार नेशनल इमरजेंसी की घोषणा करते हुए रेड वॉर्निंग जारी करनी पड़ी है। हालात कुछ समय बाद इतने बिगड़ने जा रहे हैं कि इसका अंदाजा पूरी मनुष्य सभ्यता को नहीं पूरी दुनिया के मौसम और जलवायु में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता जा रहा है। ऐसे में अब समय आ गया है जब हम सबको पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ प्रकृति के संरक्षण के बारें में सोचना होगा। 28 जुलाई को दुनियाभर में मनाया जाने वाला विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस एक और महत्वपूर्ण दिन है जो हमें हमारे जीवन में प्रकृति के महत्व की याद दिलाता है और इसे संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करता है।विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस (वर्ल्ड नेचर कंजर्वेशन डे) प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। तकनीकी विकास और आधुनिक जीवन शैली की वजह से पर्यावरण में असंतुलन बना हुआ है।देश और दुनिया का बदलता मौसम देश और दुनिया में प्राकृतिक आपदाओं का आना इसी का संकेत है। एशिया के साथ साथ पहली बार यूरोप में भीषण गर्मी का प्रकोप झेल रहा है। गर्मी की वजह से ब्रिटेन के इतिहास में पहली बार नेशनल इमरजेंसी की घोषणा करते हुए रेड वॉर्निंग जारी करनी पड़ी है। उधर, लंदन के ल्यूटन एयरपोर्ट की हवाई पट्टी गर्मी की वजह से पिघल गई और कई घंटों के लिए विमानों की आवाजाही को बंद करना पड़ा। फ्रांस ,स्पेन और ब्रिटेन में गर्मी की वजह से हाहाकार मचा हुआ है ब्रिटेन के कई शहरों में स्कूल-कॉलेज गर्मी की वजह से बंद करना पड़ा है। यूरोप जिन देशों ने कभी गर्मी नहीं झेला वो देश भी इस बार बढ़ते पारे से बेहाल और परेशान हैं। फ्रांस, ग्रीस, पुर्तगाल, ब्रिटेन,स्पेन ये वो देश हैं जहां पारा 40 के पार हैं ओर लोग इतनी गर्मी झेल नहीं पा रहे हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार यूरोप में चल रही हीटवेव, विशेष रूप से दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों में अफ्रीका से आने वाली गर्म हवाओं के कारण हो रही है और इस गर्मी में इस तरह की और अधिक हीटवेव की उम्मीद है। विशेषज्ञों के अनुसार जलवायु परिवर्तन इस हीटवेव को मौसमी घटनाओं पर नजर रखने वाले मैक्सीमिलानो ने ट्वीट किया कि टेरा नोवा बेस पर तापमान सामान्य से 7 डिग्री ज्यादा था। यही हाल धरती के दूसरे सिरे पर भी था, आर्कटिक पर मार्च के औसत तापमान में 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।नॉर्वे और ग्रीनलैंड में भी गर्मी के नए प्रतिमान स्थापति हो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन बहुत तेज गति से देश और पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह

मुख्य वजह है. वहीं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (जीएचजी), जो कोयले, गैस और तेल जैसे जीवाश्म ईंधन को जलाने से आता है, वो हीटवेव को अधिक गर्म और खतरनाक बना रहा है। पिछले दिनों आश्चर्जनक रूप से पृथ्वी के दो सिरे कहे जाने वाले दक्षिणी ध्रुव और उत्तरी ध्रुव में तापमान में अचानक ऐसा उछाल आया कि सारे रिकॉर्ड टूट गए। अंटार्कटिक और आर्कटिक दोनों ही जगह तापमान में एक साथ और अचानक रिकॉर्ड वृद्धि हुई। हाल में ही पूर्वी अंटार्कटिक में कुछ जगहों पर तापमान औसत से 40 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी इटिएने कापीकियां ने ट्वीट कर बताया कि समुद्र से 3,234 मीटर ऊंचाई पर स्थित कॉनकॉडिन्या मौसम स्टेशन पर -11.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ जो अब तक का सबसे ज्यादा है। इसी तरह अंटार्कटिक के वोस्तॉक स्टेशन पर तापमान 15 डिग्री से ज्यादा उछल गया जबकि से बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स पिघल रहें हैं। ऑस्ट्रेलिया की एक जलवायु वैज्ञानिक और न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय में रिसर्च फेलो जोई थॉमस के अनुसार हाल में हुई मानवीय गतिविधियों ने ग्लोबल वार्मिंग को तेज कर दिया है और इसकी वजह से अंटार्कटिका में बड़े पैमाने पर बर्फ पिघल सकती है। वास्तव में दोनों जगहों (अंटार्कटिक और आर्कटिक) पर एक साथ एक जैसी घटना अकल्पनीय लगती हैं, क्योंकि इन दोनों जगहों की प्रकृति एकदम भिनन्प्रकार की है। ऐसे समय में अंटार्कटिक पर दिन लगातार छोटे होते हैं और सर्दी बहुत अधिक होनी चाहिए। ठीक उसी वक्त आर्कटिक सर्दी से बाहर निकल रहा होता है। यहां एकदम उलटे मौसम हैं, उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव को एक साथ, एक समय पर पिघलते नहीं देखते। लेकिन इस बार ऐसा हुआ है तो यह पूरी दुनिया के लिए एक खतरें की घंटी है जिस पर तत्काल सब का ध्यान जाना चाहिए और ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

राहुल से बात करने लगी थी अजय की प्रेमिकाभड़के आरोपी ने दोस्तों के साथ मिलकर खेला खूनी खेल

फरीदाबाद। राहुल हत्याकांड में पुलिस ने सोनीपत और रोहतक के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया है कि मुख्य आरोपी अजय की एक लड़की से दोस्ती थी। लड़की मृतक राहुल से बात करने लगी। अजय ने राहुल को रास्ते से हटाने के लिए दोस्तों के साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया। ज्ञात हो कि गांव छांयसा में 21 जुलाई को राहुल (24) की हत्या कर दी गई थी। आरोपी सात दिन की पुलिस रिमांड पर हैं। क्राइम ब्रांच डीएलएफ, बदरपुर बॉर्डर व सीआईए 65 की टीम ने बृहस्पतिवार देर रात सोनीपत के गांव खरखौदा से आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी क्राइम मुकेश मल्होत्रा ने बताया आरोपियों की पहचान सोनीपत के गांव भैंसवाल निवासी अजय (27) , सोनीपत के गांव रीढाऊ निवासी पदम (22), रोहतक के गांव बालयान निवासी राहुल उर्फ ब्रह्मचारी (25) और रोहतक के गांव खरैंटी निवासी रोहित उर्फ केडी (22) के रूप में हुई है। आरोपी अजय हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। अजय और रोहित उर्फ केडी ने बीफार्मा कर रखा है। पदम बीए तथा राहुल उर्फ ब्रह्मचारी 11वीं कक्षा तक पढ़े हैं। घटना के दिन राहुल अपने घर के बाहर दोस्तों के साथ बैठा था। सफेद रंग की गाड़ी में आए आरोपियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। एक युवक गाड़ी की चालक सीट पर बैठा रहा। अन्य तीनों ने गाड़ी से उतरकर पिस्टल व रिवाल्वर से राहुल पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। राहुल ने भागने की कोशिश की लेकिन तीनों हमलावरों ने घेर कर कई गोलियां मारीं। आस-पड़ोस के लोगों ने हमलावरों पर ईंट पत्थर बरसाए। आरोपी गाड़ी में बैठकर भाग गए थे। घटना के दिन मृतक राहुल के माता-पिता तीर्थ पर गए हुए थे। राहुल के मामा हरेन्द्र की शिकायत पर थाना छायंसा में हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस आयुक्त ने आरोपियों पर 5-5 हजार का इनाम घोषित कर दिया। पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी अजय की एक लड़की से दोस्ती थी। लड़की मृतक राहुल से बात करने लगी। अजय ने राहुल को रास्ते से हटाने के लिए दोस्तों के साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया। युवती बल्लभगढ़ में एक सरकारी अस्पताल में नौकरी करती है। आरोपी राहुल उर्फ ब्रह्मचारी पर पहले भी अवैध नशा तस्करी तथा लड़ाई-झगडे़ के 2 मामले दर्ज हैं।

जिला पंचायत सतना के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष निर्वाचन हुआ संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना। जिला पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष नव निर्वाचन संपूर्ण हुआ दोनों भाजपा समर्थित हैं नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रामखेलावन कोल जो कि रामनगर के रिटायर्ड टीचर हैं जिन्हे 26 में से 17 मत मिले एवं नवनिर्वाचित जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता पंकज सिंह को चुना गया जिन्हें 26 में से 16 मत मिले जिनकी प्रचंड जीत पर सतना सांसद श्री गणेश सिंह जी ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया दोनों उम्मीदवार भाजपा समर्थित हैं श्रीसिंह ने कहा मुझे पूर्ण विश्वास है कि जिला पंचायत के पदाधिकारी एवं सदस्यगण मिलकर अपने क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करेंगे। उपस्थित रहे मंत्री रामखेलावन पटेल सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं आपका कार्यकाल उपलब्धियों से परिपूर्ण हो।

इनरव्हील क्लब वीरांगना ने पर्यावरण बचाने हेतु किया वृक्षारोपण

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। इनरव्हील क्लब वीरांगना ने पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य पौधारोपण का कार्य संपनन किया। यह कार्य क्लब अध्यक्ष ममता यादव के नेतृत्व में पूर्ण किया गया, जिसमें कृषि मंडी कार्यालय में आंवला, अमरुद, अशोक, बरगद आदि के पेड़ लगाए गए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे महापौर रामतीर्थ सिंघल, नगर आयुक्त पुलकित गर्ग, मंडी सचिव पंकज शर्मा, मंडी निर्देशक जितेंद्र। समाज सेवा में कभी भी पीछे न रहने वाली क्लब की सदस्याओं ने भरपूर सहयोग दिया। इस कार्यक्रम में डॉ. नीतू शास्त्री, श्रद्धासोनी, सीमा गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष सुषमा अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, स्मिता जैन, सन्हे लता, सरिता, डॉ कल्पना सिंह, डॉ. ममता जैन, शशि गर्ग, अंजु शर्मा, करुणा जैन, सारिका जैन आदि उपस्थित रहीं, अंत में सचिव डॉ इंदु सक्सेना ने आभार व्यक्त किया।

जेएसएल लाइफस्टाइल लिमिटेड ने 'स्टेनलेस स्टील' किचन मेकओवर को डेमोक्रेटाइज करने के लिए हिप्पो स्टोर्स के साथ हाथ मिलाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भारत में स्टेनलेस स्टील के सबसे बड़े उत्पादक, जेएसएल लाइफस्टाइल लिमिटेड ने हिप्पो स्टोर्स के साथ एक साझेदारी की है, जो एक मार्डन रिटेल डेस्टिनेशन होगी। इसमें ब्रिक एंड मोर्टार मार्केटिंग के तहत स्टोर ग्राहकों को आमने-सामने पेश होने से ग्राहकों का एक नया बेस तैयार होगा। इन हिप्पो स्टोर्स की सबसे बड़ी खासियत होगी यह ग्राहकों को स्टेनलेस स्टील के सही फायदों की पूरी जानकारी देगा। नोएडा में नए हिप्पो स्टोर में, कंपनी स्टेनलेस स्टील के बर्तनों की अपनी नई लाइन का प्रदर्शन करेगी।मुख्य अतिथि, डॉ. एकता सिंह, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, द वूमेन केयर क्लिनिक ने नोएडा में नए हिप्पो स्टोर का उद्घाटन किया, जिसमें जेएसएल लाइफस्टाइल स्टेनलेस स्टील के बर्तनों की एक नई लाइन भी प्रदर्शित की गई। जेएसएल किचन एक ऐसा नाम है जो सर्वश्रेष्ठ डिजाइन, बेहतर निर्माण और शानदार शिल्पकारी का उदाहरण भी पेश करता है इस कलेक्शन में खासतौर पर वॉटरप्रूफ और जंग प्रतिरोधी होने के साथ इस पर दीमक का भी असर नहीं होता है। भारतीय घरों में हेल्दी स्टेनलेस स्टील कल्चर को बढ़ावा देता है। जिंदल किचन अब अपने ग्राहकों के लिए कम मेंटनेंस और इकोफ्रेंडली किचन प्रोडक्ट की नई रेंज लेकर आ रहा है। यह ग्राहकों को आसानी

से उपलब्ध होने के साथ उनके किचन में उपयोग होने वाले हर वस्तु का एक बेहतर समाधान होगा। अपने उत्पादों पर खासतौर पर लाइफ टाइम वारंटी की पेशकश कर रहे हैं। उनकी एंटी-प्रतिरोधी विशेषताएं भी होगी। मजबूती के उच्चतम मानकों के अनुरूप बने उत्पादों की सबसे बड़ी खासियत होगी कि यह समय की कसौटी पर खरे उतरें। इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए जेएसएल लाइफस्टाइल लिमिटेड सीईओ और कार्यकारी निदेशक श्री राजेश मोहता ने कहा कि ङ्कहम हिप्पो स्टोर्स के साथ इस साझेदारी को लेकर बेहद अच्छा अनुभव कर रहे है। यह साझेदारी भारत सरकार की ङ्कमेक इन इंडियाङ्क पहल में हमारे योगदान को मजबूत करता है। हिप्पो स्टोर भारत का पहला ओमनी-चैनल कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशन है। एक ही मंच पर भवन निर्माण साम्रगी को चुनने का मौका देगा। यह साझेदारी हमारे ग्राहकों और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के साथ रेवन्यू प्रोफाइलल को भी मजबूत बना देगी। इस ब्रांड के साथ जुड़ना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि जेएसएल लाइफस्टाइल लिमिटेड के नए ग्राहकों को आधार तैयार होने के साथ यह ब्रांड को नए ग्राहकों तक पहुंचाने में भी मददगार साबित होगा। हम अपने लाभ के साथ ग्राहकों की हर जरूरतों को बेहतर बनाने के लिए हर बार नए इनोवेशन करते रहते है। नए इनोवेशन के लिए खासतौर पर क्षमता के साथ गहरी समझ होने भी जरूरी होता है। भविष्य में यह हमारे संगठन को महत्वूपर्ण लाभ भी देगा। साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, हिप्पो स्टोर्स प्रबंध निदेशक श्री अमित गर्ग, ने कहा कि ङ्कहम भारत के पहले ओमनी-चैनल कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशन होगा। यह खासतौर पर एक ही मंच पर भवन निर्माण से जुड़ी हर उत्पाद की कई विकल्प देगा। हमारी नजर में हर नए या रिफर्निश होने वाले घर का हिस्सा बनना है। इसमें ग्राहकों के साथ लंबे समय तक बेहतर रिश्ता बनाने के साथ सेवाओं के साथ एक भरोसेमंद अच्छा और सुविधाजनक सोर्स बनना है। हम एक डिजिटल फर्स्ट, क्लाउड-बोर्न कंपनी हैं। हमारा फोकस है कि टेकनेलॉजी के जरिए संपूर्ण बिल्डिंग मैटेरियल वैल्यू चेन को बेहतर बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। जेएसएल लाइफस्टाइल लिमिटेड के साथ यह साझेदारी हमारे विजन के साथ पूरी तरह से फिट बैठता है। हम इस तरह के एक प्रतिष्ठित संगठन के साथ लंबे वक्त तक जुड़े रहना चाहते है। हमारे विभिनन्न तरीके जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ कई फिजिकल स्टोर्स के साथ ग्राहकों के लिए को बेहतर सुविधाएं देंगे। हिप्पो स्टोर्स की ओमनी चैनल रणनीति जेएसएल लाइफस्टाइल लिमिटेड के ग्राहकों को बेहतर सुविधा देगी। फिजिकल स्टोर एक एक्सपीरियंस सेंटर की तरह होगा। इसमें ग्राहकों को स्टोर में आकर अपनी पसंदीदा प्रोडक्ट को चुनने का मौका मिलेगा। इसमें खासतौर पर प्रोडक्ट एक्सपर्ट के साथ मिलकर सही मार्गदर्शन भी मिल सकेगा। जेएसएल किचन के हर प्रोडक्ट में शिल्प कौशल के जरिए बनाए खूबसूरत और बेहतर क्वालिटी भी अनुभव मिल सकेगा। इस साझेदारी पर डॉ. एकता सिंह, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, द वूमेन केयर क्लिनिक ने कहा कि इस अवसर का हिस्सा बनकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। जेएसएल लाइफस्टाइल पर्यावरण के अनुकूल, टिकाऊ, प्रीमियम, स्टाइलिश और इनोवेटिव बर्तनों का सॉल्यूशन पेश करने के लिए प्रसिद्ध है। प्रत्येक जेएसएल किचन रेंज में क्वालिटी, कार्यक्षमता, गुणवत्ता और खूबसूरत शिल्प कौशल देखने को मिलता है। ग्राहकों के अनुरूप डिजाइन भी खासतौर पर इसके फायदे इसे और ज्यादा सक्षम बनाते है। इससे ग्राहक अपनी लाइफस्टाइल में इन रेंज का आसानी से बेहतर उपयोग कर सकते है।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने नियोनेटल रिससिटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने नियोनेटल रिससिटेशन वर्कशॉप का आयोजन

किया आयोजन की गेस्ट स्पीकर थीं प्रोफेसर पिंकी देवी फ़ौगीशंगबाम (प्रिंसिपल , अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्टडीज, नमसाई) और उनके साथ मंच पर उपस्थित थीं प्रोफेसर डॉक्टर उमा भारद्वाज, वाइस चांसलर, नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिर्टी प्रोफेसर डॉ प्रसनजीत कुमार, प्रो वाइस चांसलर, नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, प्रोफेसर डॉक्टर मुकेश पाराशर, रजिस्ट्रार नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। इस वर्कशॉप के आयोजन का एकमात्र लक्ष्य यह था कि स्टूडेंट्स को डिलीवरी रूम में किसी भी इमरजेंसी को हैंडल करने में सक्षम बनाया जा सके। कार्यक्रम की गेस्ट स्पीकर प्रोफेसर पिंकी देवी फ़ौगीशंगबाम ने कहा कि आज के समय को देखते हुए और स्टूडेंट जो की हेल्थ केयर डिलीवरी सिस्टम के फ्यूचर हैं उनकी उत्कृष्ट तरीके से ट्रेनिंग हो सके यह बहुत ज़रूरी है। आयोजन में आए सभी अतिथियों को और ऑडियंस को संबोधित करते हुए वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉक्टर उमा भारद्वाज ने कहा कहां कि ङ्कनोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ नर्सिंग के छात्र और छात्राओं को हर तरीके की मुमकिन शिक्षा और सुविधा देने के लिए कार्यरत है। हम चाहते हैं कि हमारे यहां से उच्च लेवल के नर्सिंग प्रोफेशनल देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी जाकर प्राप्त ज्ञान को प्रयोग में ला, डिलीवरी सिस्टम को और मजबूत बनाएं और उन नवजात शिशुओं को जीने का एक अवसर दें जो की उत्कृष्ट हेल्थ केयर सुविधा न मिलने की वजह से अपनी जान गवा बैठते हैं। हम अपने छात्र और छात्राओं को अपने ऑन कैंपस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल जिसे हम नोएडा इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस के नाम से जानते हैं में ट्रेनिंग प्रदान करते हैं।प्रोफेसर डॉक्टर दिनेश कुमार, डीन, स्कूल ऑफ़ नर्सिंग और प्रोफेसर मंजू राजपूत, वाईस प्रिंसिपल, स्कूल ऑफ़ नर्सिंग की देख-रेख में इस वर्कशॉप का समापन सफल तरीके से हुआ।

थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा कार से स्टंट करने वाले वाहन स्वामी सहित 06 व्यक्तियों को हिरासत में लेकर स्टंट में प्रयुक्त कार को सीज किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । थाना नॉलेज पार्क क्षेत्रांतर्गत नॉलेज पार्क-3 स्थित ब्लू बेल होटल के सामने सड़क पर कुछ

व्यक्तियों द्वारा अपनी गाड़ी यूपी 16 ए वाई 5023 से स्टंट किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसके संबंध में थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उपरोक्त वाहन को कब्जे में लेते हुए वाहन स्वामी 1.कुशाग्र सैन पुत्र ब्रजमोहन निवासी शिव शक्ति अपार्टमेंट, सेक्टर-71, नोएडा व उसके साथ मौजूद उसके अन्य दोस्त 2.प्रशांत रावत पुत्र विजय सिंह रावत निवासी शिव शक्ति अपार्टमेंट, सेक्टर-71, नोएडा 3.हिमांशु सैन कुमार पुत्र हरीश कुमार निवासी शिव शक्ति अपार्टमेंट, सेक्टर-71, नोएडा 4.सुमित पुत्र संजय शुक्ला निवासी शिव शक्ति अपार्टमेंट, सेक्टर-71, नोएडा 5.कुनाल नेगी पुत्र अर्जुन सिंह नेगी निवासी पंचशील ग्रीन्स-2, नियर रोजा याकूबपुर, थाना बिसरख, नोएडा 6.तनिष्क यादव पुत्र संजय कुमार सिंह निवासी आवास विकास कॉलोनी, जिला बलिया वर्तमान पता स्काईटेक मेट्रोट, सेक्टर-76, नोएडा को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। स्टंट में प्रयुक्त कार को सीज किया गया ।

रीवा रोड बठिया गेट पेट्रोल पंप के सामने हुआ एक्सीडेंट

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर।एनएच 30 रीवा रोड मे बठिया गेट पेट्रोल पंप के सामने वैगनआर और अज्ञात वाहन से हुई टक्कर और टक्कर मारकर अज्ञात वाहन मोके से हुआ फरार मौके पर पहुंची देहात थाना पुलिस घायलों को तुरंत सिविल अस्पताल भेजा गया वैगनआर में बैठे एक ही फैमिली के लोग थे जोकि रीवा से कटनी जा रहे थे जिसमें कुछ लोग बाल बाल बचे कुछ लोगों को मामूली चोट आई है और एक गंभीर रूप से घायल जिन्हें एंबुलेंस और पुलिस की मदद से सिविल अस्पताल मैहर भेजा गया।

डा चन्द्र मोहन झा का 68वा जन्मदिन मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । डॉ चंद्र मोहन झा लेखक संपादक एवं शिक्षाविद के 68 वा जन्मदिन बहुत ही धूमधाम से मैथिली मीडिया हाउस, अल्फा-2, ग्रेटर नोएडा मे मनाया गया। जिसमे दिल्ली एनसीआर के सभी मैथिलि संस्था के सदस्य उपस्थित थे। जिसमे अंत्तराष्ट्रीय मैथिलि परिषद् के अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्रा एवं सभी पदाधिकारी के साथ डॉ चंद्र मोहन झा को पुरे मिथिला विध -विधान से मिथिला रतन से सम्मानित किया।इस अवसर पर मिथिला मिलन मैथिलि मासिक पत्रिका एवं पहचान हिन्दी मासिक पत्रिका का लोकर्पण हुआ एवं मैथिलि के रंग विरंग गीत एवं सास्कृतिक कार्यक्रम हुआ। बहुत ही सुन्दर कार्यक्रम हुआ। सफल कार्यक्रम के लिए अजित आजाद के पुरे टीम को बधाई भी दिया।इस मौके पर पंकज झा,मुरारी झा,बलराम कुमार आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नेशनल मीडिया क्लब ने मनाया देश का सबसे बड़ा मैंगो फेस्टिवल

14 केंद्रीय मंत्रियों सहित देशभर के 150 से अधिक सांसदों ने की शिरकत महोत्सव में आकषर्ण का केंद्र रहा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । नेशनल मीडिया क्लब (एनएमसी) ने देश के सबसे बड़े मैंगो फेस्टिवल का आयोजन किया। दिल्ली स्थित वेस्टर्न कोर्ट एनेक्सी में आयोजित इस कार्यक्रम में आमों की तीन सौ से अधिक प्रजातियों को प्रदर्शित किया गया। वहीं आयोजन में 14 केंद्रीय मंत्री व 150 सांसदों ने उपस्थिति दर्ज कराई। नेशनल मीडिया क्लब के संस्थापक रमेश अवस्थी और राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन अवस्थी के नेतृत्व में मैंगो फेस्टिवल का यह 15वां आयोजन था। इस बार का आयोजन संस्कृति मंत्रालय के आजादी का अमृत महोत्सव स्मरणोत्सव के तहत किया गया था। आम को फलों का राजा कहा जाता है और आम के मौसम की प्रतीक्षा लोगों को साल भर रहती है। देश के ग्रामीण अंचल की साझी पहचान आम के बाग ही हैं। इसी साझी पहचान, स्वाद और विविधता का महोत्सव बुधवार को मैंगो फेस्टिवल के रूप में मनाया गया। आयोजन में दशहरी से लेकर अल्फांसो, नीलम, केसर, कैसिंग्टन, चौसा, सफेदा, देसी गोला, इलाहाबादी सफेदा, मल्लिका, फजली, फजरी गोल, अम्बिका, अरु णिका, साहेब पसंद, एल्डन, कांवसाजी पटेल, बंगनपल्ली, माया, ओस्टीन, सुकुल, मछली और शहद कुप्पी सहित भारत में पाए जाने वाले आमों की लगभग 300 प्रजातियां प्रदर्शित की गई, लेकिन इन सबके बीच अपने आकार, रंग और खुशबू के चलते 'मोदी' आम छाया रहा और प्रदर्शनी में आए हर आम व खास के बीच आकषर्ण का केंद्र बना रहा। महोत्सव में वीआईपी लोगों का जमावड़ा रहा।

आयोजन के मुख्य अतिथि केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन व डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने फीता काट कर मैंगो फेस्टिवल का उद्घाटन किया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने समारोह की अध्यक्षता की और केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणो, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे, जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने आम प्रदर्शनी के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए। उपभोक्ता मामले खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, संसदीय कार्य एवं संस्कृति राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल, विधि एवं न्याय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट, शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. महेंद्र मुजपारा, शिपिंग एवं जहाजरानी राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर, अल्पसंख्यक मामलों के राज्यमंत्री जॉन बराला, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, रोजगार व श्रम राज्य मंत्री रामेर तेली ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके साथ ही पूर्व मंत्री प्रताप सारंगी, सुदर्शन भगत, मोहनभाई कुंदारिया, पीपी चौधरी, शिव प्रताप शुक्ल, संतोष गंगवार, रतनलाल कटारिया, सत्यपाल सिंह, डॉ. हर्षवर्धन, डॉ. महेश शर्मा, प्रकाश जावडेकर और शशि थरूर, सांसद साध्वी प्रज्ञा, दिनेश लाल यादव निरुहुआ, अरुण सिंह, बृजलाल, नरेश बंसल और संघ के पदाधिकारियों में संजय मिश्रा, बालमुकुंद सिंह, सहित के देश लगभग सभी क्षेत्रों के 150 सांसदों ने महोत्सव में आमों का स्वाद चखा। महोत्सव में संगीत व नृत्य की शास्त्रीय प्रस्तुतियों व राधा-कृष्ण के संगीतमय मंचन से कलाकारों ने लोगों का मन मोह लिया।

आरोपों के बीच दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, छह महीने तक लागू रहेगी पुरानी आबकारी नीति

नई दिल्ली ।उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि सोमवार से दिल्ली में पुरानी आबकारी नीति लागू होगी। यह छह महीने तक लागू रहेगी। उपराज्यपाल द्वारा सीबीआई जांच के आदेश के बाद तमाम आरोपों का सामना कर रही दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। शनिवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि सोमवार

से दिल्ली में पुरानी आबकारी नीति लागू होगी। यह छह महीने तक लागू रहेगी। नई आबकारी नीति (न्हौ ।म्गे ज्दतम्ब) में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद दिल्ली सरकार बैकफुट पर आ गई है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि नई आबकारी नीति वापस होगी। नई नीति तैयार होने तक पुरानी नीति के तहत ही शराब की बिक्री की जाएगी। इसकी घोषणा करते हुए सिसोदिया ने कहा कि हमने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए नई आबकारी नीति लागू की थी। इसके पहले 850 शराब की दुकानों से सरकार को 6000 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति होती थी। लेकिन नई आबकारी नीति लागू होने के बाद हमारी सरकार को उतनी ही दुकानों से 9000 करोड़ रुपये से भी अधिक राजस्व मिलता।निगमों से शराब की बिक्री वापस लेकर पूर्णतः निजी हाथों में सौंप दी गई शराब पीने की उम्र 25 से घटाकर 21 वर्ष की गई दुकान को कम से कम 500 वर्ग मीटर, सीसीटीवी से लैस करने के निर्देश तीन दिन ही ड्राई डे यानी दुकानें साल में 3 दिन बंद करने की अनुमति थी पिंक बूथ खोलने की अनुमति दी गई थी ताकि महिलाएं शराब का सेवन कर सकें रेस्तरां व बार को शराब बिक्री केंद्र से ही शराब खरीदने की अनुमति शराब बिक्री केंद्र को एमआरपी पर छूट देने की अनुमति थी बार, क्लब्स और रेस्तरां को रात 3 बजे तक दुकान खोलने की छूट थी राज्यपाल दे चुके हैं जांच का आदेश एलजी विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली सरकार की एक्साइज पॉलिसी के खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। केजरीवाल सरकार पर नई आबकारी नीति के तहत शराब की दुकानों के टेंडर में गड़बड़ी का आरोप है। आरोप है कि नई आबकारी नीति में नियमों की अनदेखी करते हुए शराब की दुकानों के टेंडर दिए गए। एलजी ने दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी की रिपोर्ट के बाद सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। इसी महीने की शुरुआत में तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार केजरीवाल सरकार पर जीएनसीटीडी एक्ट 1991, व्यापार लेनदेन नियम 1993, दिल्ली आबकारी नीति 2009 और दिल्ली आबकारी नियम 2010 के उल्लंघन का आरोप है।

सुदीप की फिल्म की दूसरे दिन ही हालत खराब, हिंदी दर्शकों को नहीं भाई फिल्म

नई दिल्ली । सलमान खान का नाम जुड़ने के बावजूद देश के हिंदी भाषी क्षेत्रों में पूरी तरह नकार दी गई फिल्म 'विक्रांत रोणा' को कर्नाटक में मिली अच्छी ओपनिंग पर भी दूसरे दिन ही ग्रहण लग गया है। फिल्म की कमाई में दूसरे दिन करीब 60 फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है। माना जा रहा था कि ये कनन्ड़ फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम में डब होकर पहले ही दिन रिकॉर्ड ओपनिंग लेगी लेकिन फिल्म की मार्केटिंग और प्रचार लचर होने के बाद फिल्म भी कुछ खास नहीं निकली। टूडी और थ्रीडी में रिलीज हुई इस फिल्म में भी 'एक विलेन रिटर्न्स' की तरह हीरो एक ऐसे किरदार से लगातार हंसता खेलता रहता है जिसका वजूद ही नहीं बचा है। दोनों फिल्मों की ये एक जैसी अंतर्धारा इनकी कामयाबी का सबसे बड़ा रोड़ा बनती दिख रही है। फिल्म 'विक्रांत रोणा' ने पहले दिन के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक देश में कुल 19.60 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। इसमें से फिल्म ने अकेले अपने कनन्ड़ संस्करण से 16.05 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का हिंदी में कलेक्शन इसके तेलुगू कलेक्शन से भी कम रहा। फिल्म के तेलुगू संस्करण ने जहां 1.6 करोड़ रुपये की कमाई की वहीं हिंदी में ये कलेक्शन रहा सिर्फ 1.3 करोड़ रुपये। फिल्म ने तमिल में सिर्फ

55 लाख रुपये कमाए। इसका मलयालम संस्करण दर्शकों को कतई पसंद नहीं आया और इसने पहले दिन सिर्फ एक लाख रुपये की ही कमाई की। फिल्म 'विक्रांत रोणा' की मार्केटिंग और इसकी प्रचार टीम ने फिल्म का हिंदी भाषी क्षेत्रों में ढंग से प्रचार ही नहीं किया। तमाम हिंदी अखबारों और न्यूज पोर्टल्स के फिल्म के निर्देशक अनूप भंडारी और हीरो किच्चा सुदीप के साथ इंटरव्यू तक नहीं हुए। मार्केटिंग टीम का पूरा फोकस इन्फ्लुएंसर्स और अंग्रेजी मीडिया पर रहा और इनमें से कोई भी फिल्म की तकनीकी अच्छाइयां दर्शकों तक नहीं पहुंचा पाया। फिल्म ने इसी के चलते रिलीज के दूसरे दिन यानी शुक्रवार को सिर्फ आठ करोड़ रुपये की कमाई शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से की है।रिलीज के पहले दिन 19.6 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म 'विक्रांत रोणा' की कमाई दूसरे ही दिन सिर्फ आठ करोड़ रह जाने का मतलब है इसकी कमाई में करीब 60 फीसदी की गिरावट दूसरे दिन ही हो गई है। अब फिल्म के शनिवार और रविवार को होने वाले कलेक्शन पर सबकी नजर है। पहले दो दिन की कमाई का सिलसिला ही आगे भी चलता रहा तो फिल्म का पहले वीकएंड में 50 करोड़ रुपये कमाने का ख्वाब पूरा होता नहीं दिख रहा। फिल्म 'विक्रांत रोणा' अपनी पटकथा से तो मात खाती ही है, फिल्म के हीरो सुदीप का अभिनय भी इसमें खास मदद नहीं करता। वह चुलबुल पांडे की तरह ही पूरी फिल्म में बात करते हैं। फिल्म का आधार जाति संघर्ष है। सवर्णों और दलितों के बीच के छुआछूत को लेकर उपजे इस संघर्ष के नतीजे में ही फिल्म का असली रहस्य छुपा है। कहानी 28 साल की यात्रा तय करती है और जिस एक बिंदु पर इस कहानी के खलनायक का बदला छुपा है, उसका संबंध हीरो की बच्ची के साथ स्थापित करने में नाकाम रहती है। इस बच्ची को लेकर भी फिल्म के क्लाइमेक्स में जो खुलासा होता है, वह दर्शकों के फिल्म की कहानी में समय निवेश का रिटर्न जीरो कर देता है।

दुनिया में वाराणसी जैसा स्थान मैंने कोई दूसरा नहीं देखा, जल्द भारत आने की जताई इच्छा

नई दिल्ली ।ऑस्कर पुरस्कार विजेता अभिनेता ब्रैड पिट की नई फिल्म 'बुलेट ट्रेन' अगले हफ्ते अमेरिका से पहले भारत में रिलीज होगी। ब्रैड पिट फिल्म निर्माता भी हैं और उनकी बनाई तीन फिल्में

ऑस्कर में बेस्ट पिक्चर अवॉर्ड जीत चुकी हैं। भारत से प्रेम करने वाले ब्रैड पिट से अमर उजाला के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल की एक्सक्लूसिव बातचीत। हां। शूटिंग के दौरान तो खैर हम स्टूडियो के अंदर ट्रेन की डिब्बों की शक्ल में बने बक्सों के भीतर ही शूटिंग कर रहे थे। और, वह भी अक्सर अलग अलग। मिले तो भी कुछ समय के लिए। लेकिन, इस फिल्म के प्रचार के लिए हम सब एक साथ दुनिया घूमने निकले तो बहुत मजा आ रहा है। दो साल बाद इतने सैर सपाटे का मौका मिलना और सबके साथ हंसी मजाक कर सकने के लिए इकट्ठा हो सकना ही असली आनंद है। सच बताऊं तो मैंने अभी तक ये उपन्यास पढ़ा नहीं है। इसके लेखक के प्रति मेरे मन में पूरा सम्मान है और मैं किसी को ये बताकर आहत भी नहीं करना चाहता। लेकिन, मैं ये उपन्यास जल्द से जल्द पढ़ने की कोशिश भी करूंगा। फिल्म की शूटिंग से पहले इसे न पढ़ने की वजह है और वह ये कि मैं फिल्म को इसके निर्देशक के नजरिये से करना चाहता था। कुछ और मेरे मन में इस बीच चलता रहे, उससे एकाग्रता भंग होती है, मेरी भी और दूसरों की भी। डेविड और मैं बहुत पुराने मित्र हैं। इस फिल्म को बनाना शुरू करने से पहले हमने इसकी मेकिंग पर कई दौर की चर्चाएं कीं। हमने फिल्म के बाकी कलाकारों का चुनाव भी साथ बैठकर ही किया। डेविड का एक्शन फिल्मों का अपना नजरिया है और मुझे खुशी है कि उनकी फिल्में भारत में सबसे कामयाब हॉलीवुड फिल्मों में शामिल रही हैं। ओह, भारत एक अद्भुत देश है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक यह लगातार बदलता रहता है। ऐसे विविधतापूर्ण देश कम ही हैं। मेरे जेहन में अब भी उत्तर भारत भ्रमण की यादें बिल्कुल ताजा हैं। वहां मैं तमाम ऐसी जगहों पर गया हूं जहां दिन में भी अंधेरा रहता है। मंदिरों में घंटियां बजाई हैं और वाराणसी का अनुभव तो अलौकिक रहा है। वाराणसी जैसा स्थान मैंने अपने जीवन में पूरी दुनिया में कोई दूसरा नहीं देखा है और अब तक मैंने जितना भी विश्व भ्रमण किया है, उनमें ये शहर मेरे लिए बहुत खास स्थान रखता है। इस प्रशन का सही जवाब तो फिल्म के निर्माता और निर्देशक ही दे सकते हैं। लेकिन, मैं जल्द से जल्द फिर से भारत आने के लिए लालायित हूं और बुलेट ट्रेन का तो पता नहीं लेकिन मुझे वहां चलने वाले टुकटुक (रिक्शा) में सवारी करना बहुत पसंद है। उम्मीद है कि मेरी ये यात्रा जल्द ही होगी। डेविड लीच निर्देशित फिल्म 'बुलेट ट्रेन' कोटारो इसाका के लिखे एक जापानी उपन्यास मारिया बीटल पर आधारित है जिसे अंग्रेजी में बुलेट ट्रेन के नाम से प्रकाशित किया गया। फिल्म की कहानी ये है कि जिंदगी से ऊब चुके एक प्रशिक्षित कातिल लेडी बग को उसकी हैंडलर बुलेट ट्रेन पर भेजती है एक ब्रीफकेस लेने के लिए। ट्रेन टोकयो से क्योटो जा रही है और उसके इस मिशन को विफल करने के लिए ट्रेन पर ही कोई आधा दर्जन कातिल और मौजूद हं। फिल्म में ब्रैड पिट के अलावा जोएई किंग, आरॉन टेलर जॉनसन, ब्रायन टारी हेनरी, एंड्र्यू कोजी, हिरोयूकी सनाडा, माइकल शैनन और तमाम दूसरे सितारों के अलाव सैंड्रा बुलक भी एक खास किरदार में दिखेंगी।

सफेद साड़ी में झरने के नीचे दिया था बोल्ड सीन, दाऊद संग नाम जुड़ते ही डूब गया था करियर

नई दिल्ली । फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' को कोई कैसे भूल सकता है। यदि फिल्म के बारे में न भी याद हो तो इसकी अभिनेत्री मंदाकिनी तो जरूर याद होंगी, जिन्होंने इस पिक्चर में सफेद रंग की झीनी सी साड़ी में झरने के नीचे भीगते हुए उस जमाने का बेहद ही बोल्ड सीन किया था। मंदाकिनी इस फिल्म से रातों-रात स्टार बन गई थीं। इस फिल्म के

बाद अपने छह साल के करियर में उन्होंने बेहतरीन फिल्में की और फिर बॉलीवुड से कहां गायब हो गई, इस बात की किसी को भनक भी नहीं लगी। 30 जुलाई को मंदाकिनी अपना 58वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर हम आपको उनसे जुड़ी कुछ खास बातें बताने जा रहे हैं। 30 जुलाई 1963 को जन्मी मंदाकिनी का असली नाम यासमीन जोसेफ है। मंदाकिनी की मां मुस्लिम और पिता ईसाई थे। ये उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले की रहने वाली हैं। मंदाकिनी को बचपन से ही एक्टिंग का बहुत शौक था, लेकिन उन्हें सही मौका नहीं मिल पा रहा था। फिर एक दिन 'राम तेरी गंगा मैली' को डायरेक्ट कर रहे एक्टर राजकपूर ने मंदाकिनी को 22 साल की उम्र में पहली बार देखा। जिसके बाद उन्होंने मंदाकिनी को फिल्म में काम करने का मौका दिया। इस फिल्म से उन्होंने बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया था। राज कपूर ने मंदाकिनी को 'राम तेरी गंगा मैली' के लिए साइन किया और फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। फिल्म में झरने के नीचे बोल्ड सीन देकर मंदाकिनी रातों-रात हर तरफ चर्चा में आ गई थीं। इस सीन के बाद राजकपूर को सेंसर बोर्ड को जवाब तक देना पड़ गया था। इसी फिल्म ने उनकी शोहरत को बुलंदियों पर पहुंचा दिया था। अपने छह साल के करियर में मंदाकिनी ने एक से बढ़कर फिल्में दीं। मंदाकिनी तब विवादों में आईं जब उनको अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ स्पॉट किया गया। खबरें तो ये भी आईं कि दोनों ने शादी कर ली है और इस शादी से उन्हें एक बेटा भी है, लेकिन मंदाकिनी ने हमेशा इस बात को खारिज किया। उन्होंने ये जरूर माना किया कि दाऊद से उनकी जान पहचान थी। मंदाकिनी का करियर 1996 में आई फिल्म 'जोरदार' के साथ खत्म हो गया। कहा ये भी गया था कि दाउद के चलते ही कई फिल्मों में मंदाकिनी को लिया गया था। बाद में बदनामी हुई तो उनको काम मिलना बंद हो गया।

कहानी घर घर की' के दूसरे सीजन की ये है असली सच्चाई, किरन करमकर ने किया खुलासा

नई दिल्ली । स्टार प्लस के सूत्रों ने बीते दिन एक खबर लीक की कि साल 2000 से साल 2008 तक प्रसारित होते रहे धारावाहिक 'कहानी घर घर की' का दूसरा सीजन शुरू होने जा रहा है। लेकिन इस धारावाहिक में ओम का किरदार करने वाले किरन करमकर से बातचीत के दौरान ये पता चला है कि इस धारावाहिक का दूसरा सीजन नहीं आ रहा बल्कि उसी पुराने धारावाहिक का इस चैनल पर पुनः प्रसारण होने जा रहा है। इस शो से जुड़े हुए अपने अनुभव साझा करते हुए किरन करमरकर ने बताया कि जब एकता कपूर ने उन्हें ये शो ऑफर किया था, तो सिर्फ इतना ही बताया था कि रामायण के राम का मॉडर्न किरदार है। मुझे इस किरदार से बहुत पहचान मिली, और आज जब ओटीटी पर गाली गलौज वाले किरदारों के ऑफर मिलते है तो करने का मन नहीं करता । किरन करमरकर कहते है, 'मैं तो टीवी ही करता रहता हूं। कुछ ओटीटी के लिए ऑफर आए थे, लेकिन मैंने मना कर दिया। क्योंकि उसमे से ज्यादातर गाली गलौज और सेक्स पर आधारित थे। इस तरह के शो करने की हिम्मत मुझे नही होती है। कहानी की मांग को लेकर लोग कुछ भी परोस रहे है। ये कहानी की मांग है, सुनकर ही बड़ा अजीब सा लगता है। मुझे टेलीविजन में अच्छे काम मिल रहे हैं, उसी से खुश हूं।' किरन करमरकर कहते है, 'आज की लाइफ बहुत फास्ट हो गई है। आज से बीस साल पहले मैं मुंबई में जितनी आसानी से घूम सकता था। आज एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने

में दोगुना समय लगने लगा है। पहले 15 किमी की दूरी तय करने में 20 मिनट लगते थे, अभी डेढ़ घंटे लगते हैं। आज आपके पास समय की कमी है। घर पहुंच कर आप क्या देखते हो क्या नही देखते हो, फिर ओटीटी आ गया। आप रात में दो बजे भी देख सकते हो और सुबह दस बजे भी देख सकते हो। अगर आप का मन करे और आप फ्री है तो पूरे दिन देखकर एक सीरीज खत्म कर सकते हैं। मल्टीप्लेक्स आ गए। आज लोगों के पास बहुत सारे ऑप्शन हैं। इसकी वजह से लोग सीरियल नहीं देख रहे हैं।' इन दिनों के धारावाहिकों की टीआरपी का जिक्र चलने पर किरन करमरकर बताते हैं, 'आज बहुत सारी फिल्में और सीरीज बन रहे है। अच्छे एक्टर उसमे बिजी है। इसलिए टीवी पर कोई भी शो पहले की तरह नहीं चल पा रहे हैं। अभी तो 100 एपिसोड भी मुश्किल से हो जाए तो पार्टी मानते हैं। हमने तो 2000 एपिसोड तक पूरे किए हैं। क्षेत्रीय चैनलों के लोकप्रिय होने के चलते टीवी इंडस्ट्री बहुत बदल गई है। उस समय हमारे शो की टीआरपी 15 तक पहुंच गई थी। आजकल टीआरपी रेटिंग सबसे अधिक तीन तक पहुंचती है।'किरन करमरकर को धार्मिक धारावाहिकों के प्रस्ताव खूब आते हैं। लेकिन वह कहते है, 'मुझे धार्मिक सीरियल में धोती पहनकर काम करना समझ में नहीं आता। इसलिए बहुत सारे धार्मिक सीरियल के ऑफर आए, मैंने मना कर दिया। धोती और मुकुट पहनकर बात करना मुझे बड़ा अस्वाभाविक लगता है। एक बार मैंने एकता कपूर के धारावाहिक 'महाभारत' में काम किया था क्योंकि वो चाहती थी कि सीरियल की शुरुआत मुझसे और साक्षी तंवर से हो। मैंने उसमें शांतनु और साक्षी ने गंगा का किरदार निभाया था। उसके बाद बहुत सारे धार्मिक सीरियल के ऑफर आए, मैंने मना कर दिया।'

अभिनेता रसिक दवे का 65 साल की आयु में निधन,'महाभारत' के कैरेक्टर 'नंदा' के लिए थे प्रसिद्ध

नई दिल्ली ।हिंदी और गुजराती सीरियल्स और शोज में अभिनय करने वाले अभिनेता रसिक दवे का शुक्रवार रात 8 बजे निधन हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार किडनी खराब होने की वजह से अभिनेता ने मुंबई में अपनी आखिरी

सांस ली। बता दें कि रसिक दवे को 'महाभारत' के कैरेक्टर 'नंदा' के लिए जाना जाता था। हालांकि, उन्होंने इसके अलावा कई 'संस्कार धरोहर अपनों की', 'सीआईडी', 'कृष्णा' जैसे कई लोकप्रिय टीवी शोज का हिस्सा रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने कई सारे गुजराती नाटकों, गुजराती फिल्मों और कई सारे सीरियल्स में भी काम किया था। 15 दिन पहले बिगड़ी थी तबीयत बताया जा रहा है कि रसिक दवे तकरीबन दो साल से डायलिसिस पर थे, जिसकी वजह से हफ्ते में तीन बार उन्हें अस्पताल के चक्कर काटने पड़ते थे। हालांकि तबीयत बिगड़ने की वजह से 15 दिन पहले ही उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। गौरतलब है कि केतकी और रसिक के दो बच्चे- रिद्धी और अभिषेक हैं। कौन है रसिक दवे रसिक ने अपने करियर की शुरुआत '82' में एक गुजराती फिल्म 'पुत्र वधू' से की थी। वह गुजराती - हिंदी दोनों भाषाओं में काम कर चुके हैं। रसिक दवे ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' फेम अभिनेत्री केतकी दवे से शादी की थी। केतकी और रसिक की जोड़ी रिएलिटी शो 'नच बलिए' में भी नजर आई थी। बता दें कि केतकी की मां सरिता जोशी भी एक प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं और उनके पिता (दिवंगत) प्रवीण जोशी एक थिएटर निर्देशक थे। उनकी एक छोटी बहन पूरबी जोशी है जो एक अभिनेत्री और एक एंकर भी हैं। रसिक और केतकी दवे एक गुजराती थिएटर कंपनी भी चलाते थे।

पहले ही दिन 'एक विलेन रिटर्न्स' ने किया निराश, 'शमशेरा' और 'विक्रांत रोणा' का ऐसा रहा हाल

नई दिल्ली । शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्मों के बीच टक्कर हुई। एक तरफ जहां कनन्ड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप और बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की फिल्म 'विक्रांत रोणा'

दूसरे ही दिन ढेर हो गई। वहीं दूसरी तरफ रणबीर कपूर, संजय दत्त और वाणी कपूर की फिल्म 'शमशेरा' शुक्रवार को अच्छा प्रदर्शन करने में नाकामयाब रही। दोनों में से किसी भी फिल्म ने शुक्रवार को एक करोड़ रुपये तक की कमाई नहीं की। हालांकि, 29 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई जॉन अब्राहम, दिशा पाटनी, अर्जुन कपूर और तारा सुतारिया की फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' ओपनिंग डे पर पांच करोड़ से अधिक का कारोबार करने में कामयाब रही। लेकिन किच्चा सुदीप की फिल्म 'विक्रांत रोणा' के हिंदी संस्करण ने पहले दिन एक करोड़ रुपये का कारोबार किया था। लेकिन दूसरे दिन के कलेक्शन में तकरीबन 25 फीसदी की गिरावट देखी गई है। इसका बड़ा कारण शुक्रवार को रिलीज हुई 'एक विलेन रिटर्न्स' है, जिसकी वजह से 'विक्रांत रोणा' के शोज की संख्या कम हो गई और फिल्म ने दूसरे दिन लगभग 75 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। शमशेरा, दूसरे शुक्रवार तक आते-आते ढेर हो गई है। फिल्म ने आठवें दिन तकरीबन 50 लाख रुपये का कारोबार किया है। यानी फिल्म आठ दिनों में मुश्किल से 40 करोड़ रुपये का आंकड़ा ही पार कर पाई है। यह देखते हुए ट्रेड एनालिस्ट अनुमान लगा रहे हैं कि फिल्म 43 करोड़ रुपये तक का ही आंकड़ा छू पाएगी। बता दें कि रणबीर कपूर की यह फिल्म न केवल भारण में बल्कि विदेशों में काफी खराब प्रदर्शन कर रही है। जॉन अब्राहम, दिशा पाटनी, तारा सुतारिया और अर्जुन कपूर अभिनीत 'एक विलेन रिटर्न्स' पहले दिन 6.50 करोड़ रुपये की कमाई करने में कामयाब रही। बता दें कि मोहित सुरी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2014 में आई सुपरहिट फिल्म 'एक विलेन' का सीक्वल है। इसलिए उम्मीद की जा रही थी कि यह मल्टी-स्टारर फिल्म पहले दिन 30 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तेलुगू सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामाराव ऑन ड्यूटी' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। रवि तेजा, दिव्यांशा कौशिक, और राजिशा विजया ने पहले दिन ही 5.5 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। ट्रेड एनालिस्ट की माने तो वर्ड ऑफ माउथ के जरिए फिल्म वीकएंड पर अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। नागा चैतन्य और राशि खनन की 'थैंक यू' बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई है। फिल्म पिछले कुछ दिनों से 1 करोड़ रुपये से भी कम की कमाई कर रही है और दिन-ब-दिन इसके कलेक्शन में गिरावट आती जा रही है। ऐसा लग रहा है कि 'थैंक यू' निर्माताओं और वितरकों के लिए घाटे का सौदा साबित होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आचार्य की तरह 'थैंक यू' का भी जल्द ही ओटीटी प्रीमियर हो सकता है।

कभी पिता के साथ शादियों में गाते थे सोनू निगम, आज हैं इतने करोड़ की संपत्ति के मालिक

नई दिल्ली । बॉलीवुड के मशहूर सिंगर सोनू निगम 90 के दशक से लेकर अब तक अपनी मधुर आवाज के दम पर लोगों के दिलों पर राज करते हैं। गायकी से लेकर अभिनय तक में पहचान बनाने वाले सोनू निगम 30 जुलाई यानी आज अपना

48वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। साल 1973 में फरीदाबाद में जन्में सोनू निगम ने अपनी आवाज के जादू से अलग मुकाम हासिल किया है, हालांकि मुंबई में अपने सपने लेकर आने वाले हर इंसान की तरह उन्होंने भी जीवन में सफलता पाने के लिए कड़ा संघर्ष किया है, लेकिन आज उनकी गिनती बॉलीवुड के सबसे महंगे गायकों में होती है और वह करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। सोनू निगम को गायकी अपने पिता से विरासत में मिली है। महज 4 साल की उम्र में सोनू निगम अपने पिता अगम निगम के साथ स्टेज शोज, पार्टियों और फंक्शन में गाने लगे थे। सोनू निगम शुरू से ही दिग्गज गायक मोहम्मद रफी से काफी प्रभावित रहे हैं और शुरुआती दिनों में वह रफी साहब के गाने ही स्टेज पर गाया करते थे। सोनू जब 18-19 साल के थे तो उनके पिता उन्हें लेकर मुंबई पहुंचे थे। उन्होंने उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान से संगीत का प्रशिक्षण लिया। सोनू निगम को सबसे पहले टी-सीरीज ने ब्रेक दिया था और उनके गाये गानों का एलबम 'रफी की यादें' नाम से निकाला। फिल्मों में गाने से लेकर अभिनय और शोज को होस्ट करने तक सोनू निगम जैसे हर किरदार में फिट बैठते हैं। अपने व्यक्तित्व से हमेशा सादगी छलकाने वाले सिंगर सोनू निगम देश के सबसे अमीर गायकों में से एक हैं। लग्जरी गाड़ियों से लेकर आलीशान हाउस तक सोनू निगम लैविश लाइफ जीते हैं। जानकारी के मुताबिक, सोनू निगम की कुल संपत्ति 50 मिलियन डॉलर यानी भारतीय रुपयों में करीब 370 करोड़ से अधिक की हो सकती है। गायक सोनू निगम लग्जरी कारों का भी काफी शौक है। उनके पास रेंज रोवर से लेकर ऑडी और बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी गाड़ियां हैं। रिपोर्ट्स की मानी जाए तो सोनू निगम बाइक्स का भी काफी शौक रखते हैं। सोनू निगम की मीठी आवाज के करोड़ों दीवाने हैं। वह बॉलीवुड फिल्मों में अपनी सिंगिंग से कमाई करते ही हैं इसके साथ ही उनके कॉन्सर्ट की भी खूब डिमांड रहती है। रिपोर्टस की मानी जाए तो सोनू हर कॉन्सर्ट के लिए तकरीबन 10 से 15 लाख तक रुपये तक चार्ज करते हैं। इसके अलावा लाइव इवेंट और रिकॉर्डिंग, ब्रांड एंडोर्समेंट, टीवी शोज होस्टिंग आदि से भी वह साल में लगभग 5 करोड़ से अधिक का कमाई करते हैं।

गाने के अलावा मिमिक्री के भी हैं शौकीन

नई दिल्ली । अपनी आवाज से करोड़ों लोगों को दीवाना बनाने वाले सोनू निगम का आज अपना 49वां जन्मदिन मना रहे हैं। 30 जुलाई

को फरीदाबाद में जन्मे सोनू निगम को बचपन से ही गाने में रुचि थी। चार साल उम्र से उन्होंने अपने पिता के साथ गाना शुरू कर दिया था और फिर 18 की उम्र में वह मुंबई आ गए। इसके बाद मायानगरी में उनका सफर शुरू हुआ और आज उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बना ली है। आज सोनू निगम के जन्मदिन को मौके पर हम आपको उनके बारे में कुछ ऐसी बातें बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप शायद ही जानते होंगे। सोनू निगम ऐसे सिंगर है, जिन्होंने हिंदी ही नहीं बल्कि तमिल, तेलुगू, मराठी सहित 12 भाषाओं में गाने गाए हैं। अपनी आवाज से तो सोनू निगम ने सबको दीवाना बनाया है, लेकिन सिंगिंग के अलावा उन्हें मिमिक्री का भी शौक है। वह बॉलीवुड के सितारों की ही नहीं कई सिंगर्स की भी हूबहू मिमिक्री करते हैं। कई बार उन्होंने अवॉर्ड फंक्शन में भी दूसरे सिंगर्स के गाने गाकर लोगों को हैरान किया है। वह एक सच्चे एंटरटेनर, जो अपनी प्रतिभा से सबका मनोरंजन करते हैं। सोनू निगम एसपी बालासुब्रमण्यम, कुमार शानू, अदनान सामी, कैलाश खेर, उदित नारायण जैसे पुरुष गायकों की ही नहीं। वह महिला गायकों की भी नकल कर सकते हैं। सोनू निगम एक बेहतरीन गायक होने के साथ ही अच्छे अभिनेता भी बनना चाहते थे। उन्होंने अभिनय में भी अपना हाथ आजमाया लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो पाए। उन्होंने 'प्यारा दुश्मन', 'बेताब', 'हमसे है जमाना' और 'तकदीर' जैसी फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में काम किया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार हैं- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

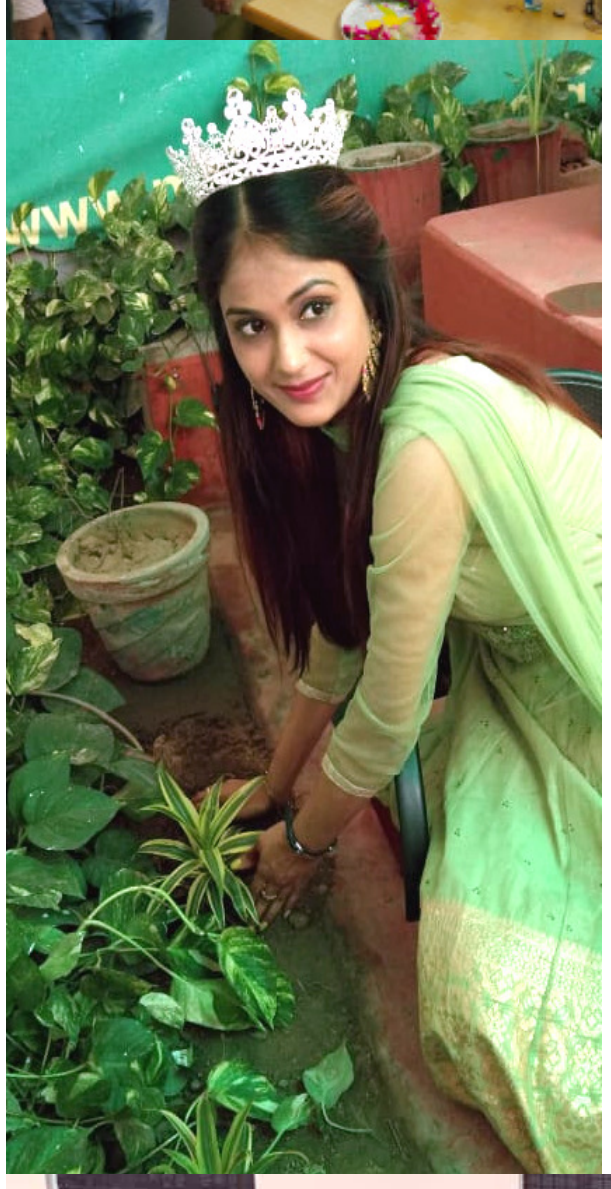

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेम्बली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रीकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट–: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल,
एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415606710, 6394370734,
7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274